साप्ताहिक
शहर सत्ता
PRGI NO. CTHIN/25/A2378
सोमवार, 13 जुलाई से 19 जुलाई 2026
हम दिखाएंगे आईना...
वर्ष : 02 अंक : 19 पृष्ठ : 12 मूल्य : 5 रुपए www.shaharsatta.com

पेज 03 में...

छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र आज से

पेज 12 में...

नया 'लॉजिस्टिक्स हब' बनता छत्तीसगढ़

पेज 03

भिलाई स्टील प्लांट में 10,000 करोड़ की 'लोहा चोरी'

नारी सशक्तिकरण का छत्तीसगढ़ मॉडल

मुख्यमंत्री ने जारी की महतारी वंदन योजना की 29वीं किश्त

66 लाख महिलाओं के खातों में 626.25 करोड़ रुपए हुए ट्रांसफर

अब तक 18,805.83 करोड़ रुपये सीधे महिलाओं के खातों में पहुंचे

'लखपति दीदी' सहित कई योजनाओं से महिलाएं हो रही आत्मनिर्भर

मुख्य संवाददाता/प्रदीप चंद्रवंशी
मोबाईल नंबर 7000681023

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय से महतारी वंदन योजना की 29वीं किश्त जारी करते हुए प्रदेश की 66 लाख से अधिक माताओं-बहनों के बैंक खातों में प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से 626.25 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े उपस्थित थीं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश की माताओं-बहनों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना महिलाओं के सम्मान, आत्मनिर्भरता और आर्थिक स्वावलंबन की नई पहचान बन चुकी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं की आर्थिक भागीदारी बढ़ाने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प के साथ निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आज की किश्त के साथ योजना के अंतर्गत अब तक 29 किश्तों में कुल 18,805.83 करोड़ रुपये की राशि सीधे महिलाओं के बैंक खातों में अंतरित की जा चुकी है।

महिलाओं को मिला आत्मनिर्भरता का नया आधार

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित महतारी वंदन योजना प्रदेश की महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बनकर उभरी है। योजना के तहत प्रत्येक माह पात्र महिलाओं के बैंक खातों में एक हजार रुपये की सहायता राशि सीधे अंतरित की जा रही है, जिससे वे अपनी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति करने के साथ परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। जशपुर जिले के कुनकुरी की लाभार्थी ज्योति पांडेय बताती हैं कि पहले छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी परिवार के अन्य सदस्यों पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब योजना से मिलने वाली राशि से वे अपने दैनिक खर्च स्वयं वहन कर रही हैं। रेहाना खातून ने बताया कि पहले वे मजदूरी कर परिवार का सहयोग करती थीं। महतारी वंदन योजना से प्राप्त सहायता ने उन्हें एक छोटा घरेलू व्यवसाय शुरू करने का आत्मविश्वास दिया। आज वे स्वयं आय अर्जित कर रही हैं और परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने में योगदान दे रही हैं। कविता शर्मा के अनुसार योजना से मिलने वाली नियमित सहायता उनके लिए बड़ा संबल है। इससे वे अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति आसानी से कर लेती हैं और आर्थिक रूप से पहले की अपेक्षा अधिक आत्मविश्वास महसूस करती हैं।

आर्थिक स्वावलंबन की नई पहचान बन रही है महतारी वंदन योजना : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में नारी शक्ति के सशक्तिकरण का जो व्यापक अभियान चल रहा है, छत्तीसगढ़ सरकार उसी संकल्प को पूरी प्रतिबद्धता के साथ धरातल पर उतार रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विभिन्न जिलों के प्रवास के दौरान माताएं और बहनें स्वयं उन्हें बताती हैं कि महतारी वंदन योजना से प्राप्त राशि ने उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। अनेक महिलाओं ने इस राशि से छोटे व्यवसाय शुरू किए हैं, कई ने सिलाई-कढ़ाई एवं स्वरोजगार अपनाया है, जबकि बड़ी संख्या में परिवारों ने बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति में इसका उपयोग किया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के ये अनुभव इस योजना की वास्तविक सफलता और उसके दूरगामी सामाजिक प्रभाव के प्रमाण हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार महतारी वंदन योजना के साथ-साथ 'लखपति दीदी' जैसी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से भी महिलाओं की आय बढ़ाने, उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ई-केवाईसी की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कर शत-प्रतिशत पात्र महिलाओं तक योजना का लाभ सुनिश्चित किया जाए। विशेष रूप से बस्तर संभाग में इस कार्य को प्राथमिकता के साथ पूरा करने के निर्देश भी दिए। उल्लेखनीय है कि महतारी वंदन योजना 1 मार्च 2024 से प्रदेश में लागू की गई है। योजना के तहत 21 वर्ष या उससे अधिक आयु की पात्र विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह 1,000 रुपये की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में प्रदान की जाती है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से महिलाओं को नियमित आर्थिक संबल मिलने के साथ परिवार के पोषण, बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य, कुपोषण एवं एनीमिया की रोकथाम तथा स्वरोजगार जैसी गतिविधियों को भी नई मजबूती मिली है।

संपत्ति में बढ़ी महिलाओं की भागीदारी

पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत छूट का दिख रहा सकारात्मक प्रभाव

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण और संपत्ति स्वामित्व को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लागू की गई पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत छूट की पहल के उत्साहजनक परिणाम सामने आ रहे हैं। पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग के आंकड़ों के अनुसार महिलाओं के नाम संपत्ति पंजीयन में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। विभाग द्वारा 06 मई 2026 से 30 जून 2026 की अवधि का पिछले वर्ष की समान अवधि से तुलनात्मक विश्लेषण करने पर पाया गया कि वर्ष 2025 में महिलाओं के पक्ष में पंजीकृत विक्रय विलेखों की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत थी, जो वर्ष 2026 में बढ़कर 41 प्रतिशत हो गई है। इसी अवधि में महिलाओं के नाम पंजीकृत दस्तावेजों की संख्या 14,668 से बढ़कर 21,292 हो गई, जो लगभग 45 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाती है।

राज्य के लगभग 75 प्रतिशत जिलों में महिलाओं के नाम संपत्ति पंजीयन में 20 प्रतिशत से अधिक वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। जांजगीर-चांपा, बलोद, कोरिया, रायपुर तथा कांकेर सहित अनेक जिलों में उल्लेखनीय प्रगति देखने को मिली है। महिलाओं को प्रदान की गई पंजीयन शुल्क में छूट के परिणामस्वरूप इस अवधि में नागरिकों को लगभग 50.14 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ प्राप्त हुआ है। इससे न केवल महिलाओं के नाम पर संपत्ति स्वामित्व को बढ़ावा मिला है, बल्कि परिवारों को भी आर्थिक राहत मिली है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। महिलाओं के नाम संपत्ति पंजीयन को प्रोत्साहित करने के लिए पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट का निर्णय इसी सोच का परिणाम है। संपत्ति पर महिलाओं का स्वामित्व उन्हें आर्थिक सुरक्षा के साथ-साथ परिवार और समाज में अधिक सम्मान भी प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस निर्णय से बड़ी संख्या में परिवार लाभान्वित हुए हैं और महिलाओं के नाम संपत्ति पंजीयन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। हमारी सरकार ऐसी नीतियों को लगातार बढ़ावा दे रही है, जो महिलाओं को आत्मनिर्भर, सशक्त और विकास यात्रा की समान भागीदार बनाएं। मंत्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि महिलाओं के नाम संपत्ति पंजीयन में हुई यह उल्लेखनीय वृद्धि केवल एक सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का संकेत है। जब किसी महिला के नाम संपत्ति होती है, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है, परिवार में उसकी निर्णयात्मक भूमिका सुदृढ़ होती है और आर्थिक सुरक्षा भी सुनिश्चित होती है। मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं को विकास प्रक्रिया के केंद्र में रखकर कार्य कर रही है। पंजीयन शुल्क में 50 प्रतिशत छूट का उद्देश्य केवल आर्थिक राहत देना नहीं, बल्कि महिलाओं को संपत्ति स्वामित्व से जोड़कर उन्हें वास्तविक अर्थों में सशक्त बनाना है।

'दीदी के गोठ' से महिलाओं को आगे बढ़ने की मिलती है प्रेरणा : मुख्यमंत्री

'दीदी के गोठ' कार्यक्रम प्रदेश की माताओं-बहनों के लिए प्रेरणा का सशक्त माध्यम बन गया है। इस कार्यक्रम के जरिए महिलाओं को आत्मनिर्भरता, आजीविका, नवाचार और स्वरोजगार से जुड़ी अत्यंत रोचक एवं प्रेरक जानकारियां मिल रही हैं। एक सफल दीदी की कहानी हजारों अन्य महिलाओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा दे रही है और यही इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी सफलता है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित 'दीदी के गोठ' वार्षिकोत्सव-2026 एवं संकुल स्तरीय संगठन सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस अवसर पर 'दीदी के गोठ' कॉफी टेबल बुक, 'बिहान वाणी' त्रैमासिक पत्रिका तथा 'मोर गांव मोर पानी' पुस्तक का विमोचन किया। उन्होंने अपनी सफलता की कहानी साझा करने वाली दीदियों को सम्मानित किया तथा 'दीदी के गोठ' के 12 एपिसोड पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन कर महिलाओं से संवाद भी किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने ऑडिटोरियम परिसर में आयोजित 'दीदी के गोठ' फोटो गैलरी का अवलोकन किया तथा स्व-सहायता समूहों की महिलाओं से संवाद कर उनके नवाचारों एवं आजीविका गतिविधियों की जानकारी ली और उन्हें निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान दुर्ग जिले से वर्चुअल माध्यम से जुड़ीं लखपति दीदी श्रीमती विद्या निषाद से चर्चा की। श्रीमती निषाद ने बताया कि कोरोना काल में पति के निधन के बाद उन्हें बिहान समूह से प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन मिला। उन्होंने कपड़े एवं फैंसी स्टोर का व्यवसाय शुरू किया और आज प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये से अधिक की आय अर्जित कर आत्मनिर्भर बन चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने उनकी सफलता की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 'दीदी के गोठ' ने एक वर्ष का सफल सफर पूरा कर लिया है और अब तक 12 एपिसोड प्रसारित हो चुके हैं। प्रत्येक माह के दूसरे गुरुवार को एक सफल दीदी अपनी संघर्ष एवं सफलता की कहानी स्वयं अपनी बोली में साझा करती है, जिससे प्रदेशभर की महिलाओं को नई दिशा और प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में नारी को देवी स्वरूप माना गया है। वेदों में कहा गया है - "यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता।" आज महिलाएं बिहान से जुड़कर आर्थिक रूप से सशक्त हो रही हैं। कोई ड्रोन दीदी बनी है, कोई राजमिस्त्री, कोई ऑर्गेनिक खेती कर रही है, तो कोई सेंटरिंग प्लेट, पशुपालन एवं अन्य आजीविका गतिविधियों के माध्यम से अपने परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा कि आज की लखपति दीदियां आने वाले समय में करोड़पति बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं और विकसित भारत तथा विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र आज से

5 बैठकें, 996 सवाल और अविश्वास प्रस्ताव की तैयारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा का पांच दिवसीय मानसून सत्र आज 13 जुलाई 2026 से शुरू होने जा रहा है। सत्र की अधिसूचना और कार्यसूची जारी की जा चुकी है, जिसके तहत 17 जुलाई तक चलने वाले इस संक्षिप्त सत्र में कुल पांच बैठकें होंगी। सत्र के पहले दिन (13 जुलाई) जहां पूर्व घोषित कार्यसूची के मुताबिक प्रसिद्ध पंडवानी गायिका पद्म विभूषण श्रीमती तीजन बाई के निधन पर शोक व्यक्त किया जाएगा और निधन का उल्लेख होगा, वहीं इसके बाद से ही सदन में प्रश्नों की जोरदार बौछार देखने को मिलेगी।

14 जुलाई को स्कूल शिक्षा पर तीखे सवाल

मानसून सत्र का दूसरा दिन यानी 14 जुलाई विशेष रूप से स्कूल शिक्षा विभाग के नाम रहने वाला है। इस दिन सदन में स्कूल शिक्षा से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण एवं जनहित के मामलों पर गहन चर्चा होगी। स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव विधायकों के तीखे सवालों का सामना करेंगे और उनके जवाब देंगे।

विपक्ष और सत्तापक्ष के विधायक पूछेंगे सवाल

शिक्षा विभाग से जुड़े विभिन्न मुद्दों, व्यवस्थाओं और योजनाओं को लेकर कई प्रमुख विधायक पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतर रहे हैं। रेणुका सिंह , राघवेंद्र सिंह, सावित्री मंडावी सहित कई विधायक मंत्री से सवाल पूछेंगे। इनके अलावा भी कई अन्य सदस्य शिक्षा व्यवस्था, स्कूल इन्फ्रास्ट्रक्चर और हाल ही में शैक्षणिक सत्र में किए जा रहे बदलावों को लेकर सरकार को घेरने की तैयारी में हैं।

पहले दिन इन विषयों पर भी रहेगी नजर

सत्र के पहले दिन (13 जुलाई) मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, उप-मुख्यमंत्री विजय शर्मा और वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी द्वारा विभिन्न आयोगों और सरकारी उपक्रमों (जैसे मानव अधिकार आयोग, विद्युत नियामक आयोग, मनरेगा योजना और GST नेटवर्क) की वार्षिक रिपोर्ट एवं अधिसूचनाओं को पटल पर रखा जाएगा। इसके अलावा, ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के तहत पुरातत्व वस्तुओं के संरक्षण और स्वास्थ्य विभाग में अनियमितता जैसे गंभीर मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी। विपक्ष कानून व्यवस्था और स्कूलों से जुड़े अन्य संवेदनशील मुद्दों को लेकर साय सरकार के मंत्रियों पर भारी दबाव बनाने की रणनीति तैयार कर चुका है। ऐसे में यह मानसून सत्र काफी हंगामेदार और चर्चाओं से भरा रहने की उम्मीद है।

नकटी से लेकर बिजली संकट तक हर मुद्दे पर सरकार को घेरेगी कांग्रेस

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा के मानसून सत्र से पहले प्रदेश की राजनीति पूरी तरह गरमा चुकी है. कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि अब सरकार को हर मोर्चे पर घेरा जाएगा. 14 जुलाई को विधानसभा में सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जाएगा. कांग्रेस का आरोप है कि सरकार जनता से किए गए वादे निभाने में नाकाम रही है. प्रदेश में भ्रष्टाचार बढ़ा है, किसान परेशान हैं, बिजली संकट गहराया हुआ है और कानून-व्यवस्था सवालों के घेरे में है. इतना ही नहीं, नकटी गांव के मुद्दे पर भी कांग्रेस सरकार को कटघरे में खड़ा करने की तैयारी कर चुकी है.

सरकार के खिलाफ एकजुट हुई कांग्रेस

मानसून सत्र से पहले नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत के सरकारी आवास पर कांग्रेस विधायक दल की करीब दो घंटे तक मैराथन बैठक हुई. इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज सहित वरिष्ठ नेताओं ने अलग से लंबी रणनीतिक बैठक की. दोनों बैठकों में विधानसभा सत्र की पूरी रूपरेखा तैयार की गई और अंततः सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने पर सर्वसम्मति बनी.बैठक के बाद नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने सरकार पर सीधा हमला बोला. उन्होंने कहा कि कांग्रेस को वर्तमान सरकार पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं है. उनके मुताबिक सरकार ने जनता से किए गए वादों को पूरा नहीं किया, बल्कि हर मोर्चे पर विफल रही है. इसी वजह से 14 जुलाई को विधानसभा में अविश्वास प्रस्ताव लाकर सरकार से जवाब मांगा जाएगा. महंत ने कहा कि यह प्रस्ताव केवल राजनीतिक औपचारिकता नहीं, बल्कि जनता के टूटे विश्वास और बढ़ते जनाक्रोश की आवाज है.

सरकार पर कांग्रेस का बड़ा आरोप

डॉ. चरणदास महंत ने कहा कि सरकार के बड़े-बड़े वादे अब पूरी तरह झूठे साबित हो चुके हैं. उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में भ्रष्टाचार लगातार बढ़ रहा है और आम जनता महंगाई, बेरोजगारी, बिजली संकट और प्रशासनिक अव्यवस्था से जूझ रही है. उन्होंने कहा कि सरकार जनता की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी और यही कारण है कि अब विपक्ष विधानसभा में सरकार को कठघरे में खड़ा करेगा. कांग्रेस ने मानसून सत्र के लिए अपने मुद्दे भी तय कर दिए हैं. बिजली संकट, कांग्रेस लगातार बढ़ती महंगाई, किसानों की समस्याएं, कानून-व्यवस्था, युवाओं से जुड़े मुद्दे और जनहित के अन्य मामलों को लेकर सरकार से जवाब मांगेगी।

बुढ़ापारा में पंजाब नेशनल बैंक में लगी आग

रायपुर। राजधानी के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित बुढ़ापारा में रविवार को पंजाब नेशनल बैंक (PNB) की शाखा में अचानक आग लग गई। आग लगते ही बैंक परिसर से काले धुएं का गुबार उठने लगा, जिसे देखकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। दमकल कर्मियों ने तुरंत आग बुझाने का अभियान शुरू किया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। आग बुझाने के साथ ही बैंक के महत्वपूर्ण दस्तावेज, रिकॉर्ड और अन्य जरूरी सामान को सुरक्षित बाहर निकालने का प्रयास किया गया। पुलिस ने एहतियात के तौर पर बैंक परिसर के आसपास लोगों की आवाजाही भी रोक दी, ताकि राहत और बचाव कार्य में किसी तरह की बाधा न आए। शुरुआती जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट मानी जा रही है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम घटनास्थल का निरीक्षण कर आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच कर रही है।

VIP रोड के डिस्को क्लबों में पुलिस की रेड

रायपुर। वीआईपी रोड स्थित डिस्को और नाइट क्लबों में शनिवार देर रात पुलिस ने अचानक छापेमारी कर जांच अभियान चलाया। कार्रवाई के दौरान क्लबों में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने देर रात तक क्लब संचालन, अवैध पार्किंग, सड़क पर यातायात बाधित होने और नाबालिगों को प्रवेश दिए जाने जैसी शिकायतों के आधार पर जांच की। अधिकारियों ने क्लब संचालकों से पूछताछ कर उन्हें नियमों का सख्ती से पालन करने की चेतावनी दी।

बिना टेंडर 'अमृत फार्मेसी' को ठेका कांग्रेस ने लगाए भ्रष्टाचार के आरोप

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सरकारी अस्पतालों में मरीजों को 30 से 50 प्रतिशत तक रियायती दर पर दवाएं उपलब्ध कराने की योजना अब विवादों में आ गई है। सरकारी अस्पतालों में 'अमृत फार्मेसी' संचालित करने की जिम्मेदारी निजी कंपनी एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड को दिए जाने और अस्पताल परिसर में निशुल्क जगह उपलब्ध कराने संबंधी विभागीय पत्र सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग में हलचल मच गई है। इस मामले को लेकर विपक्ष ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। जानकारी के अनुसार, सरकारी अस्पतालों में पहले से 'हमर लैब' का संचालन कर रही एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड को अब अमृत फार्मेसी संचालित करने की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। चिकित्सा शिक्षा विभाग की ओर से जारी पत्र में मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल और अन्य सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में अमृत फार्मेसी के लिए निशुल्क स्थान उपलब्ध कराने की बात कही गई है।

मरीजों को सस्ती दवा देने का दावा

विभाग का मानना है कि इससे मरीजों का इलाज सस्ता होगा और आयुष्मान योजना सहित स्थानीय स्तर पर होने वाली दवा खरीदी में भी खर्च कम हो सकता है। इसी फैसले को लेकर विवाद शुरू हो गया है। कांग्रेस का आरोप है कि अमृत फार्मेसी और पैथोलॉजी सेवाओं का संचालन बिना टेंडर प्रक्रिया अपनाए निजी संस्था को सौंपा गया है। कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता ने आरटीआई के आधार पर आरोप लगाया कि नियमों की अनदेखी कर निजी कंपनी को लाभ पहुंचाया गया है।

हमर पहुना में बोले देवकीनंदन, सनातन बोर्ड का हो गठन, 50 सीटें धर्माचार्यों को मिले

रायपुर। रायपुर प्रेस क्लब के लोकप्रिय संवाद कार्यक्रम "हमर पहुना" के अंतर्गत प्रख्यात आध्यात्मिक गुरु एवं कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर ने पत्रकारों से संवाद किया। इस अवसर पर प्रेस क्लब के अध्यक्ष मोहन तिवारी, महासचिव गौरव शर्मा, उपाध्यक्ष दिलीप साहू कोषाध्यक्ष दिनेश यदु ,संयुक्त निवेदिता साहू एवं भूपेश जांगड़े ने उनका पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम में कथा आयोजक योगेश अग्रवाल भी उपस्थित रहे।

पत्रकारों से चर्चा के दौरान देवकीनंदन ठाकुर ने युवाओं के नैतिक और सांस्कृतिक मार्गदर्शन पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में युवाओं को भारतीय संस्कृति, गीता और महाभारत जैसे ग्रंथों का अध्ययन कराया जाना चाहिए, जिससे उनमें चरित्र, सत्यनिष्ठा और जीवन मूल्यों का विकास हो सके। उन्होंने कहा कि परिवार और समाज को बच्चों में संस्कार आधारित शिक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज में बढ़ती हिंसा, अपराध और पारिवारिक विघटन जैसी घटनाएं चिंताजनक हैं तथा इनसे बचाव के लिए नैतिक शिक्षा और चरित्र निर्माण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि लिव-इन रिलेशनशिप भारतीय सामाजिक व्यवस्था के अनुरूप नहीं है और पारिवारिक मूल्यों को मजबूत बनाए रखने की आवश्यकता है।

देवकीनंदन ठाकुर ने कहा कि देश में "सनातन बोर्ड" के गठन की आवश्यकता है, जिससे मंदिरों, गुरुकुलों और सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए प्रभावी व्यवस्था बनाई जा सके। उन्होंने कहा कि मंदिरों की आय का उपयोग धर्म, शिक्षा और समाजहित के कार्यों में अधिक प्रभावी ढंग से किया जाना चाहिए। उन्होंने गौ संरक्षण, संस्कारयुक्त शिक्षा और भारतीय परंपराओं को बढ़ावा देने की भी आवश्यकता बताई।

शिक्षा व्यवस्था पर उन्होंने कहा कि विद्यालयों में बच्चों को केवल आधुनिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण और भारतीय संस्कृति का ज्ञान भी दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों को बॉलीवुड गीतों की बजाय सावित्री, सीता, रानी लक्ष्मीबाई जैसे प्रेरणादायी चरित्रों से परिचित कराया जाना चाहिए। उनके अनुसार गुरु और शिक्षकों की भूमिका केवल शिक्षा देने तक सीमित नहीं बल्कि चरित्र निर्माण की भी होनी चाहिए।

भिलाई स्टील प्लांट में 10,000 करोड़ की 'लोहा चोरी'

विधायक के दावों और हकीकत के बीच फंसी कहानी

शहरसत्ता/विशेष संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजनीति और भिलाई के औद्योगिक गलियारों में इन दिनों एक ऐसा 'सस्पेंस थ्रिलर' चल रहा है, जिसका क्लाइमेक्स पिछले कई हफ्तों से सस्पेंस के धुंध में लिपटा हुआ है। मामला मामूली नहीं है, यह एशिया के सबसे बड़े स्टील संयंत्रों में से एक, 'भिलाई स्टील प्लांट' (BSP) से जुड़े 10,000 करोड़ रुपये की कथित लोहा चोरी का है। इस मामले ने केवल संयंत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर ही नहीं, बल्कि राज्य की राजनीतिक कार्यप्रणाली और प्रशासनिक पारदर्शिता पर भी गहरे सवाल खड़े कर दिए हैं।

दावा: 40 साल से जारी 'लूट'

वैशाली नगर के विधायक रिकेश सेन ने इस मुद्दे को जिस गंभीरता से उठाया है, वह चौंकाने वाला है। उनका दावा है कि पिछले 30 से 40 वर्षों से भिलाई स्टील प्लांट में बड़े पैमाने पर लोहा चोरी की जा रही है। यदि उनके आंकड़ों पर विश्वास किया जाए, तो यह राशि 10,000 करोड़ रुपये से अधिक हो सकती है। विधायक का कहना है कि यह कोई छिटपुट चोरी नहीं है, बल्कि एक सुनियोजित 'सिंडिकेट' है, जिसमें सुरक्षा अधिकारियों, शिफ्ट प्रभारियों और बाहरी तत्वों की मिलीभगत रही है। वे आरोप लगाते हैं कि इस चोरी के पैसे का उपयोग भिलाई के विभिन्न चुनावों (नगर निगम और विधानसभा) में भाजपा नेताओं को हराने के लिए किया जाता रहा है।

सोशल मीडिया का 'सस्पेंस': खुलासा आज या कल?

इस पूरे प्रकरण की सबसे दिलचस्प और विवादित कड़ी विधायक का सोशल मीडिया स्टाइल है। पिछले डेढ़ महीने से विधायक रिकेश सेन लगातार वीडियो जारी कर रहे हैं। हर वीडियो में एक वादा होता है 'कल बड़ा खुलासा करूंगा,' 'अगले वीडियो में नाम उजागर होगा,' या 'सबूत कल सबके सामने होंगे'। हालांकि, हर 'कल' के बाद एक और 'कल' आ जाता है। जनता और समर्थकों को जिस खुलासे का इंतजार था, वह अभी तक एक पहेली बना हुआ है। आलोचकों का तर्क है कि जिस तरह सिनेमाघर के बाहर बार-बार एक ही फिल्म का ट्रेलर दिखाया जाए और मुख्य फिल्म कभी रिलीज न हो, कुछ वैसा ही इस लोहा चोरी के मामले के साथ हो रहा है।

जमीनी हकीकत: एक पुलिसिया कामयाबी

सोशल मीडिया के शोर के बीच, मई 2026 में दुर्ग पुलिस ने एक ठोस कार्रवाई की थी। भिलाई-3 थाना क्षेत्र के अकलोर डीह गांव में एक गोदाम पर छापा मारकर करीब 250 टन चोरी का लोहा और भारी मशीनरी जब्त की गई थी। इसकी अनुमानित कीमत 2.5 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई थी। इस छापेमारी में एक दर्जन से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, लेकिन मुख्य आरोपी संजय सिंह और गोदाम मालिक अब भी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। जांच में सामने आया कि 'फ्लू डस्ट' (भट्टी की राख) के वैध परिवहन की आड़ में महीनों से लोहा बाहर निकाला जा रहा था। यह घटना इस बात का प्रमाण है कि चोरी वास्तविक है, लेकिन 10,000 करोड़ के दावे और धरातल पर पकड़ी गई चोरी के बीच एक बड़ा फासला है।

सरकार पर दबाव: अपनी ही पार्टी से गुहार?

इस कहानी का सबसे पेचीदा पहलू यह है कि शिकायतकर्ता रिकेश सेन विपक्ष के नहीं, बल्कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी के ही विधायक हैं। वे अपनी ही सरकार से सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं।

- विधायक ने मुख्यमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री से मुलाकात का दावा किया है।
- उन्होंने सीबीआई और ईडी (ED) की जांच की मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर करने की बात कही है।
- विधानसभा के आगामी मानसून सत्र (13 जुलाई से शुरू) में उन्होंने 'अशासकीय संकल्प' लगाया है, ताकि इस मुद्दे पर सदन में दो घंटे तक चर्चा हो सके और इसे केंद्र के पास जांच के लिए भेजा जाए।

कौन हैं 'असली चोर'?

विधायक सेन का आरोप है कि इस पूरे खेल में केवल मामूली चोर ही नहीं, बल्कि बड़े अधिकारी और कई प्रभावशाली लोग शामिल हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि जांच के दौरान कई पूर्व एमडी, डीआईसी (DIC) के अधिकारी, सीआईएसएफ (CISF) के बड़े अधिकारी और कई आईपीएस (IPS) भी इस जाल में फंस सकते हैं। उन्होंने एक ऐसे व्यक्ति का भी जिक्र किया है जो न तो कोई जन प्रतिनिधि है और न ही किसी पद पर, फिर भी बड़े-बड़े पुलिस अधिकारियों के घरों में उसका आना-जाना है। इसे उन्होंने 'लोहा चोर का दलाल' करार दिया है। लेकिन, हर बार की तरह इन नामों को सार्वजनिक करने का वादा अगले वीडियो पर टाल दिया जाता है।

मीडिया और राजनीति का घालमेल

इस पूरे प्रकरण में मीडिया और पत्रकारों को लेकर भी तीखी बयानबाजी हुई है। विधायक ने कुछ छोटे यूट्यूब चैनल्स और पत्रकारों पर मामले को मोड़ने और ब्लैकमेलिंग का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया है कि ये लोग चंद रुपयों के लिए पूरे मुद्दे को राजनीतिक रंग दे रहे हैं।

सच के कितने करीब?

भिलाई स्टील प्लांट के लोहा चोरी का मुद्दा बेहद गंभीर है। इसमें राष्ट्रीय संपत्ति का नुकसान, सुरक्षा में चूक और राजनीतिक फंडिंग जैसे बड़े आयाम जुड़े हैं। कांग्रेस विधायक देवेंद्र यादव ने भी इस बात की पुष्टि की है कि संयंत्र में चोरी का धंधा लंबे समय से चल रहा है। अब सबकी निगाहें 13 जुलाई के मानसून सत्र पर टिकी हैं। क्या यह अशासकीय संकल्प भिलाई के इस 'लोहा तंत्र' को बेनकाब कर पाएगा, या यह भी चुनावी भाषणों की तरह खोखला साबित होगा? फिलहाल, भिलाई की जनता केवल एक ही सवाल पूछ रही है: "विधायक जी, आखिर वह कल कब आएगा और खुलासा कब होगा?"

विधायक के मुख्य दावे और आरोप:

- **बड़ा खुलासा:** विधायक रिकेश सेन का आरोप है कि संयंत्र से पिछले चार दशकों से भारी मात्रा में लोहा चोरी हो रहा है, जिसमें प्लांट के कुछ सुरक्षा अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत रही है।
- **चुनाव में फंडिंग का आरोप:** विधायक ने सनसनीखेज आरोप लगाया है कि चोरी किए गए लोहे से प्राप्त पैसे का इस्तेमाल भारतीय जनता पार्टी के नेताओं को चुनाव में हराने के लिए किया जाता रहा है।
- **जांच की मांग:** उन्होंने इस मामले की जांच के लिए ईओडब्ल्यू (EOW) को आवेदन देने, मुख्यमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री से मुलाकात करने और सीबीआई जांच की मांग की है।

महानदी जल विवादः गतिरोध टूटने के संकेत

रायपुर। महानदी जल विवाद के समाधान की दिशा में सकारात्मक पहल की गई है। बताया गया कि ट्रिब्यूनल सुनवाई के दौरान छत्तीसगढ़ और ओडिशा दोनों ने आपसी बातचीत के माध्यम से विवाद का स्थायी समाधान निकालने की इच्छा जताई। ओडिशा के प्रस्ताव पर छत्तीसगढ़ ने भी अपनी सहमति दे दी है। सुनवाई के दौरान ओडिशा के एडवोकेट जनरल पीतांबर आचार्य ने बताया कि दोनों राज्यों ने संवाद के जरिए लंबे समय से चले आ रहे विवाद को सुलझाने पर सहमति व्यक्त की है। ट्रिब्यूनल ने इस सकारात्मक रुख को देखते हुए छत्तीसगढ़ सरकार से अगली सुनवाई से पहले लिखित आश्वासन प्रस्तुत करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 23 जुलाई को होगी।

इस पूरे प्रकरण पर छत्तीसगढ़ के एक अफसर ने 'छत्तीसगढ़' से चर्चा में बताया कि अगली सुनवाई के पहले दोनों राज्यों की बैठक होगी। इसमें कुछ बिन्दुओं पर सहमति बनाने की कोशिश की जाएगी। महानदी जल बंटवारे को लेकर छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच पिछले दो दशकों से विवाद जारी है। पूर्व में हुई सुनवाइयों में ओडिशा ने गर्मियों के दौरान महानदी बेसिन से अधिक पानी देने की मांग की थी, जबकि छत्तीसगढ़ ने जल उपलब्धता का हवाला देते हुए अतिरिक्त पानी देने में असमर्थता जताई थी। ट्रिब्यूनल ने दोनों राज्यों को आपसी सहमति से समाधान निकालने का अवसर दिया था। महानदी लगभग 900 किलोमीटर लंबी नदी है, जिसमें करीब 357 किलोमीटर हिस्सा छत्तीसगढ़ और 494 किलोमीटर ओडिशा में बहता है। महानदी बेसिन में शिवनाथ, हसदेव, मांड, तेल, जोंक, इब और ओंग जैसी प्रमुख सहायक नदियां शामिल हैं। सिंचाई, पेयजल और औद्योगिक जरूरतों को लेकर ओडिशा की तरफ से ज्यादा पानी की डिमांड रही है। बताया गया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने एक दस वर्षीय कार्ययोजना प्रस्तुत की थी, जिस पर ओडिशा सरकार सहमत नहीं हो रही थी, लेकिन अब इस पर पुनर्विचार हो रहा है। इससे लंबे समय से चले आ रहे इस विवाद के समाधान की दिशा में अब दोनों राज्यों के बीच सहमति बनने से उम्मीद जागी है।

ईपीएफओ ने प्रोविडेंट फंड ट्रस्टों के लिए 'एमनेस्टी स्कीम, 2026' लागू की

रायपुर। केंद्र सरकार ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए उन संस्थानों के लिए 'एमनेस्टी स्कीम, 2026' (माफ़ी योजना) की शुरुआत की है, जो इनकम टैक्स एक्ट, 1961 के तहत मान्यता प्राप्त प्रोविडेंट फंड (PF) ट्रस्ट चला रहे हैं। इस योजना का मुख्य उद्देश्य ऐसे संस्थानों को अपनी स्थिति को कानूनी रूप से नियमित (regularize) करने का एक बड़ा अवसर प्रदान करना है। वित्त अधिनियम, 2026 के माध्यम से अब मान्यता प्राप्त प्रोविडेंट फंड के आयकर ढांचे को 'एम्प्लॉइज प्रोविडेंट फंड एंड मिसलेनियस प्रोविजन्स एक्ट, 1952' के कानूनी और प्रशासनिक प्रावधानों के अनुरूप बना दिया गया है।

इस नई व्यवस्था के तहत, आयकर अधिनियम के अंतर्गत मान्यता केवल उन्हीं ट्रस्टों को दी जाएगी, जिन्हें भविष्य निधि अधिनियम, 1952 की धारा 17 के तहत औपचारिक छूट (exemption) प्राप्त है। ऐसे संस्थानों को अधिनियम की धारा 17 और 'कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी, 2020' की धारा 143 के तहत पिछली तारीख से (retrospectively) एमनेस्टी प्रदान की जाएगी। यह योजना उन संस्थानों पर प्रभावी होगी जिनके पास संबंधित केंद्र या राज्य सरकार से छूट का औपचारिक नोटिफिकेशन नहीं है। 29 जून, 2026 को जारी अधिसूचना के बाद से यह योजना अगले छह (6) महीनों के लिए खुली रहेगी। योजना का लाभ उठाने के लिए पात्र संस्थानों को दो श्रेणियों में बांटा गया है। श्रेणी-I में वे संस्थान शामिल हैं जो अपने ट्रस्ट को पिछली तारीख से नियमित कराना चाहते हैं और जिन्होंने बिना छूट वाले संस्थान (un-exempted) के रूप में नियमों का पालन शुरू कर दिया है या भविष्य में ऐसा करने का विकल्प चुन रहे हैं। वहीं श्रेणी-II में वे संस्थान आते हैं जो ट्रस्ट को पिछली तारीख से नियमित कराने के साथ-साथ 'कोड ऑन सोशल सिक्योरिटी, 2020' के तहत एक छूट प्राप्त संस्थान (exempted establishment) के तौर पर अपनी गतिविधियों को आगे भी जारी रखना चाहते हैं। इस योजना के तहत नियोक्ताओं को कई प्रमुख राहतें और लाभ दिए जा रहे हैं। इसके तहत ट्रस्ट की स्थापना से लेकर एक निश्चित कट-ऑफ तारीख तक छूट की स्थिति और मान्यता को पिछली तारीख से नियमित किया जाएगा। इसके अलावा, सोशल सिक्योरिटी कोड, 2020 के तहत कर्मचारियों की न्यूनतम संख्या और कॉर्पस के आकार से जुड़े नियमों में ढील दी गई है, तथा 3 साल पहले के नियमों के अनुपालन की शर्त को भी पूरा माना जाएगा। सबसे बड़ी राहत के रूप में, बकाया राशि, हर्जाने और ब्याज के लिए चल रही सभी कानूनी व असेसमेंट कार्यवाहियां वापस ले ली जाएंगी।

संपादकीय

सुकांत राजपूत

हर बरसात में डूबते शहर, दरकते पहाड़...

भारी बारिश के बीच जलमग्न शहर, भूस्खलन प्रभावित पहाड़ी क्षेत्र और राहत-बचाव अभियान को दर्शाती सांकेतिक फीचर इमेज, जो मानसून के दौरान बाढ़, जलभराव और आपदा प्रबंधन की चुनौतियों को दर्शाती है। देश के कई हिस्सों में लगातार हो रही भारी बारिश, जलभराव और भूस्खलन की घटनाएं इस बात की याद दिलाती हैं कि प्राकृतिक आपदाओं के प्रभाव को कम करने के लिए समय रहते मजबूत बुनियादी ढांचे और प्रभावी आपदा प्रबंधन की आवश्यकता है।

देश भर में हर साल मानसून का बेसब्री से इंतजार किया जाता है, क्योंकि कृषि, पेयजल, ऊर्जा और गर्मी से राहत के दृष्टिकोण से इसे जीवन का आधार माना जाता है। मगर जब मानसून भारी बारिश के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज कराता है, तो जीवन की रफ्तार थम जाती है। मैदानों में सड़कों पर जलभराव से यातायात ठप हो जाता है और बाढ़ की वजह से कई लोगों को अपने घर छोड़ने पड़ते हैं।

वहीं, पहाड़ों पर भूस्खलन और बादल फटने की घटनाएं कई जिंदगियों को लील लेती हैं। शासन-प्रशासन की ओर से इसे प्राकृतिक आपदा का नाम दिया जाता है, लेकिन असल में इसके लिए काफी हद तक मानव-निर्मित परिस्थितियां भी जिम्मेदार होती हैं। इस बार भी मानसून को आए अभी ज्यादा दिन नहीं हुए हैं और जम्मू-कश्मीर से लेकर केरल तक बाढ़, भूस्खलन तथा जलभराव का सिलसिला शुरू हो गया है।केरल के वायनाड में बीते मंगलवार को हुए भूस्खलन में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच अभी तक लापता हैं। मुंबई पहले से ही भारी बरसात से बेहाल है और बुधवार को बारिश से दिल्ली का भी यही हाल हो गया।

देश में मानसून के दौरान होने वाले जान-माल के नुकसान की एक बड़ी वजह खराब बुनियादी ढांचे, अनियोजित शहरीकरण, जलनिकासी की माकूल व्यवस्था न होना, अवैज्ञानिक एवं अवैध तरीके से खनन और वनों की अंधाधुंध कटाई है। भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण हर साल सैकड़ों जानें जाती हैं और करोड़ों रुपए की संपत्ति नष्ट हो जाती है। मैदानी इलाकों में महानगरों से लेकर छोटे शहरों में ढांचागत विस्तार तो हो रहा है, लेकिन मुख्य रूप से जल निकासी की व्यवस्था पर ध्यान नहीं दिया जाता है। हर साल बरसात से पहले नालियों की साफ-सफाई के लिए विशेष अभियान शुरू किए जाते हैं, लेकिन इनका क्रियान्वयन ज्यादातर सरकारी कागजों तक ही सीमित रहता है। इसी का नतीजा है कि दिल्ली से लेकर महाराष्ट्र और गुजरात तक इन दिनों लोगों को जलभराव एवं बाढ़ की स्थिति का सामना करना पड़ रहा है।

अक्सर यह देखा जाता है कि इस तरह की आपदा के बाद प्रशासन की ओर से जोर-शोर से राहत कार्य शुरू किए जाते हैं, लेकिन यही सतर्कता और गंभीरता अगर बरसात से पहले दिखाई जाए, तो नुकसान को निश्चित तौर पर कम किया जा सकता है। भू-विशेषज्ञों के मुताबिक, हिमालयी क्षेत्रों और पश्चिमी घाटों में अंधाधुंध खनन, वनों की कटाई तथा अनियंत्रित ढांचागत निर्माण के कारण मिट्टी की पकड़ कमजोर हो रही है। इसी कारण भारी बारिश और बादल फटने से पहाड़ दरक रहे हैं, जिससे बड़े पैमाने पर जान-माल का नुकसान हो रहा है। केरल के वायनाड में भूस्खलन की घटना इसका ताजा उदाहरण है। खबरों के मुताबिक, इस जगह एक सुरंग निर्माणाधीन है और पहाड़ी से निकाली गई मिट्टी भी पास में ही डाली गई थी। भारी बारिश से पहाड़ी का एक हिस्सा टूटकर मलबे के साथ नीचे आ गया। इसी कारण अब परियोजना कंपनी के कार्य पर भी सवाल उठ रहे हैं। इसमें दोराय नहीं कि जलवायु परिवर्तन के कारण हाल के वर्षों में मौसम का मिजाज काफी बदल गया है। कभी सूखा, तो कभी बहुत कम समय में अत्यधिक बारिश से हालात भयावह हो जाते हैं। मगर यह भी सच है कि अगर समय रहते व्यवस्थित तरीके से तैयारी कर ली जाए, तो समस्याओं और नुकसान से काफी हद तक बचा जा सकता है।

अमीर को 'सर', गरीब को 'चल हट'...!

कॉलम - खुरचन
द्वारा- हरिदास

सरकारी बुलडोज़र बड़ा संस्कारी होता है। उसे पता रहता है कि किस गली में जाना है और किस कॉलोनी के सामने से सिर झुकाकर निकल जाना है। उसकी दृष्टि बड़ी लोकतांत्रिक है—गरीब सब बराबर दिखाई देते हैं। अमीरों को देखने के लिए शायद उसके शीशे पर कोई पर्दा चढ़ जाता है। झोपड़ी दिखे तो कहता है—"कानून सर्वोपरि है।"

बंगला दिखे तो कहता है—"सर... फाइल अभी परीक्षण में है।" कभी-कभी लगता है बुलडोजर में भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) लग गई है। वह खुद पहचान लेता है—

"सामने गरीब का घर है... एक्सीलेटर दबाओ।"

"सामने रसूखदार का फार्महाउस है... रिवर्स लगाओ।"

एक बच्चे ने अपने पिता से पूछा—

"पापा, कानून सबके लिए बराबर होता है?"

पिता बोले—"बिल्कुल।"

बच्चा बोला—"फिर कुछ लोगों के लिए कानून 'सर' क्यों बोलता है और कुछ के लिए 'चल हट'?"

पिता खामोश हो गए। यह सवाल बच्चे का नहीं, पूरे समाज का है।

कथित अवैध कब्जे के घरों को तोड़ने पर ईंटें कम बिखरती हैं, सवाल ज़्यादा बिखर जाते हैं। दिन में घर टूटते हैं तो रात को बच्चों और किशोरों की नींद।

रात को एक बच्चा अपने पिता से पूछ बैठा—

"पापा, हमारा घर अवैध था?"

पिता ने सिर झुका लिया। बोला—"क्या पता बेटा, सरकार ऐसा ही कहती है।"

बच्चे ने फिर पूछा—"तो फिर होटल और ढाबे अवैध जमीन पर खड़े हो जाते हैं, घर बनाने के लिए मिलने वाली रेत-गिट्टी-मुरम तक अवैध बेची जाती हैं, उसका क्या?"

पिता चुप रहा। उसे मालूम था कि यह प्रश्न संविधान में नहीं, व्यवस्था में फँस जाएगा।

बच्चा बोला—"क्या अमीरों का अवैध कब्जा बड़ा होकर वैध हो जाता है?"

पिता ने करवट बदल ली। उसे लगा, बच्चा अब स्कूल जाने लायक नहीं रहा, राजनीति समझने लगा है।

अवैध कब्जे भी जाति व्यवस्था से कम नहीं होते हैं। गरीब का अवैध कब्जा जन्म से अवैध रहता है। अमीर का अवैध कब्जा समय के साथ प्रतिष्ठित हो जाता है। पहले वह कब्जा कहलाता है, फिर निर्माण, फिर परियोजना और फिर विकास।

अब फुटपाथ पर चाय बेचने वालों को ही ले लीजिए, वे नगर निगम को शहर के सबसे बड़े अपराधी दिखाई देते हैं। उसकी गुमटी उठाकर ट्रक में डाल दी जाती है, जैसे शहर का सारा ट्रैफिक उसी के कारण रुका था। उधर सड़क पर बने आलीशान शोरूम आधी पार्किंग निगल ले, आधा फुटपाथ खा जाए। लेकिन वह "माननीय" कब्जा है। उसके सामने बुलडोज़र नहीं रुकता, सलाम करके निकल जाता है। हमारे शहर में फुटपाथ पर बैठा मूँगफली वाला प्रशासन को दिखाई देता है, लेकिन नाले पर बनी कोठी दिखाई नहीं देती। लगता है गरीबी एक्स-रे मशीन की तरह पारदर्शी होती है और अमीरी सीमेंट की दीवार।

तीस-चालीस साल तक किसी परिवार को रहने दो। बिजली का बिल लो, पानी का टैक्स लो, वोट भी ले लो। चुनाव में नेता आकर हाथ जोड़ जाएँ। प्रधानमंत्री आवास योजना में मकान भी बन जाएं। बच्चे वहीं पैदा हों, बड़े हों, शादी हो जाए, उनके भी बच्चे हो जाएँ। फिर एक दिन कह दिया जाता है—"तुम यहाँ अवैध हो।" सवाल यह है कि यदि वे इतने वर्षों से अवैध थे तो वैध किसने बनाए रखा? सरकार सो रही थी या अवैधता छुट्टी पर गई हुई थी? सबसे दर्दनाक दृश्य तब होता है जब घर नहीं, बच्चों के सपने टूटते हैं। किताबें मलबे में दब जाती हैं। स्कूल की ड्रेस धूल से भर जाती है। माँ चूल्हे का टूटा बर्तन ढूँढ़ती है और बच्चा अपना बस्ता। कथित अवैध कब्ज़ा टूटने के बाद शायद बहुत से बच्चों के मन में एक ही सवाल गूँजता होगा-

"क्या गरीब होना ही सबसे बड़ा अवैध काम है?"

इस सवाल का उत्तर किसी कानून की किताब में नहीं मिलेगा। यह उत्तर उन फ़ाइलों में मिलेगा, जहाँ गरीब का नाम लाल स्याही से लिखा जाता है और अमीर का नाम सुनहरी पट्टिका पर। व्यंग्य यह नहीं कि बुलडोज़र चला। व्यंग्य यह है कि न्याय भी कभी-कभी बुलडोज़र के पीछे-पीछे चलता है—इतनी दूरी बनाकर कि कहीं धूल उसके कपड़ों पर न लग जाए। लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबना यही है—गरीब का घर मिनटों में अवैध हो जाता है और अमीर का अवैध निर्माण वर्षों में 'लैंडमार्क' कहलाने लगता है।

और अंत में...

बुलडोजर से किसी को समस्या नहीं है।

समस्या सिर्फ इतनी है कि उसका स्टीयरिंग न्याय चलाए, रसूख नहीं।

जिस दिन बुलडोजर झोपड़ी और महल—दोनों के सामने एक जैसी गति से चलेगा, उसी दिन जनता भी कहेगी

"वाह! आज सचमुच कानून आया था, सिर्फ मशीन नहीं।

नवाचारों से बदल रही सरकारी विद्यालय की तस्वीर

श्रद्धा शर्मा

रायपुर। सरकारी प्राथमिक शाला टेमरी, विकासखंड धरसींवा की सहायक शिक्षिका श्रद्धा शर्मा अपने नवाचारी प्रयासों से विद्यालय को बच्चों के लिए आनंदमय और प्रेरणादायी शिक्षण केंद्र के रूप में विकसित कर रही हैं। कई वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत श्रद्धा शर्मा का मानना है कि हर बच्चा प्रतिभाशाली होता है, आवश्यकता केवल उसे सही अवसर और सकारात्मक वातावरण देने की होती है। इसी सोच के साथ उन्होंने विद्यालय में स्मार्ट बोर्ड आधारित शिक्षण, गतिविधि आधारित सीखना, स्वयं निर्मित टीएलएम, खेल-खेल में पढ़ाई, कहानी, गीत, कला, योग, पुस्तकालय और विज्ञान संबंधी गतिविधियों को नियमित रूप से कक्षा शिक्षण का हिस्सा बनाया है। इससे बच्चों की पढ़ाई में रुचि बढ़ी है और उनकी उपस्थिति में भी उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है।

विद्यालय परिसर को आकर्षक किया गया है, जहां बच्चे पौधों की देखभाल करते हुए पर्यावरण संरक्षण, श्रम का सम्मान और प्रकृति से जुड़ाव का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करते हैं। पुस्तकालय गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में पढ़ने की आदत विकसित की जा रही है, जिससे उनकी भाषा दक्षता और कल्पनाशक्ति का निरंतर विकास हो रहा है।

श्रद्धा शर्मा केवल कक्षा तक सीमित नहीं रहतीं। उनके सतत प्रयासों से विद्यालय और समुदाय के बीच विश्वास का मजबूत संबंध स्थापित हुआ है। विद्यालय में समय-समय पर बालसभा, सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्वच्छता अभियान, योग, खेलकूद, पर्यावरण संरक्षण, जन्मदिन उत्सव, नैतिक शिक्षा तथा विभिन्न नवाचारों के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास पर विशेष ध्यान दिया जाता है। उनका प्रयास है कि विद्यालय केवल पढ़ाई का स्थान न होकर बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण का सशक्त केंद्र बने।

सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) का प्रभावी उपयोग करते हुए वे बच्चों को डिजिटल माध्यम से भी शिक्षित कर रही हैं। स्मार्ट बोर्ड पर

चित्र, वीडियो और इंटरैक्टिव गतिविधियों के माध्यम से कठिन विषयों को सरल और रोचक बनाया जाता है। इससे बच्चों में सीखने की गति और आत्मविश्वास दोनों में वृद्धि हुई है।

श्रद्धा शर्मा का विश्वास है कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य बच्चों को केवल परीक्षा के लिए नहीं, बल्कि जीवन के लिए तैयार करना है। उनके समर्पण, नवाचार और सतत प्रयासों से सरकारी प्राथमिक शाला टेमरी क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का एक प्रेरक उदाहरण बनकर उभर रही है। विद्यालय में विकसित सकारात्मक शैक्षिक वातावरण से बच्चे, पालक और स्थानीय समुदाय सभी जुड़ाव और गर्व का अनुभव कर रहे हैं।

ईरान ने लिंडसे को मारा?

ट्रंप के करीबी की मौत के तुरंत बाद जारी की फोटो, अगला टारगेट कौन

नई दिल्ली। अमेरिकी सांसद और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी लिंडसे ग्राहम की मौत को लेकर के ईरान ने अपनी हिट लिस्ट जारी की है, जिसमें उसने लिंडसे की मौत के पीछे अपना हाथ होने का संकेत दिया है. ईरान की ओर से जो हिट लिस्ट जारी की गई है उसमें लिंडसे ग्राहम के चेहरे पर क्रॉस दिखाया गया है. कहीं ना कहीं यह संदेश देने की कोशिश है कि इस मौत में उसका हाथ हो सकता है. वह पहले से ईरान की हीट लिस्ट में थे.

ईरान में विरोध प्रदर्शन के दौरान लिंडसे ग्राहम की तस्वीरें नजर आई थी और इसी तरह टारगेट पर दिखाए गए थे. हालांकि इसे लेकर ईरान की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है. यूक्रेन दौरे के एक दिन बाद लिंडसे ग्राहम की संदिग्ध मौत हो गई. ट्रंप ने कई बार कह चुके हैं कि वह ईरान के हिट लिस्ट में टॉप पर हैं. बड़ी बात ये है कि ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के जनाजे में भी लिंडसे ग्राहम के हिट लिस्ट में होने के पोस्टर लगे थे. ईरान ने हिट लिस्ट वाले नेताओं की फोटो जारी की है. पहली तस्वीर में लिंडसे यूक्रेन की फैसिलिटी का दौरा करते हुए नजर आ रहे हैं. दूसरी तस्वीर में अली खामेनेई के जनाजे के दौरान लिंडसे ग्राहम की तस्वीर पर टारगेट का साइन दिखाया जा रहा है. अब जो तीसरी तस्वीर सामने आई है इसमें उन नेताओं की लिस्ट जारी की गई है जो कि ईरान के हिट लिस्ट में हैं. इसमें नंबर वन डोनाल्ड ट्रंप नजर आ रहे हैं. सबसे आखिरी में लिंडसे हैं और उनके चेहरे पर क्रॉस लगा हुआ है.

लिंडसे के ऑफिस का बयान

मौत से ठीक एक दिन पहले यूएस के सेनेटर लिंडसे ग्राहम यूक्रेन के दौरे पर गए थे. यहां उन्होंने ड्रोन फैसिलिटी का जायजा लिया था और उसके एक दिन बाद उनकी मौत की खबर सामने आई. लिंडसे के ऑफिस ने बताया, 'एक बीमारी के कारण सीनेटर ग्राहम का शनिवार (11 जुलाई 2026) शाम निधन हो गया. परिवार इस समय लोगों से प्रार्थनाओं की अपील करता है और इस बेहद कठिन समय में निजता का सम्मान करने का अनुरोध करता है.' लिंडसे ग्राहम को अमेरिकी विदेश नीति की प्रभावशाली आवाज माना जाता था। दक्षिण कैरोलाइना का दो दशक से अधिक समय तक सीनेट में प्रतिनिधित्व करने वाले ग्राहम रूस के साथ युद्ध में यूक्रेन के सबसे मुखर समर्थकों में शामिल थे और मॉस्को पर कड़े प्रतिबंध लगाने के प्रमुख पैरोकार थे. उन्होंने यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत के रूस से तेल खरीदने की भी मुखर आलोचना की थी. उन्होंने ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को तानाशाह करार दिया दिया था।

नई वोटर आईडी बनवाने अब देनी होगी माता-पिता की जरुरी जानकारी

नई दिल्ली। पहली बार वोटर आईडी बनवाने वाले लोगों के लिए चुनाव आयोग ने नियमों में बदलाव किया है। अब नए मतदाताओं की ऑनलाइन पंजीकरण प्रक्रिया के तहत फॉर्म-6 भरने वाले हर आवेदक को अपने माता-पिता की विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) से जुड़ी जानकारी देना अनिवार्य होगा। यह जानकारी दिए बिना ऑनलाइन आवेदन आगे नहीं बढ़ेगा। चुनाव आयोग का कहना है कि इससे नए मतदाताओं की पहचान सत्यापित करने में आसानी होगी और कई मामलों में अतिरिक्त दस्तावेज जमा कराने की जरूरत भी कम पड़ेगी।

ऑनलाइन आवेदन में बड़ा बदलाव

पहली बार वोटर आईडी बनवाने की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए चुनाव आयोग ने ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया है। अब फॉर्म-6 भरने वाले हर नए आवेदक को अपने माता-पिता की SIR से जुड़ी जानकारी देना अनिवार्य होगा। यदि यह जानकारी ऑनलाइन आवेदन के दौरान नहीं दी जाती है तो आवेदन आगे नहीं बढ़ पाएगा। चुनाव आयोग का कहना है कि इस बदलाव से नए मतदाताओं की पहचान का सत्यापन आसान बनाना और कई मामलों में अतिरिक्त दस्तावेजों की जरूरत कम करना है।

नेपाल में प्रधानमंत्री के खिलाफ सड़कों पर उतरे जेन-ज़ी

काठमांडू। नेपाल में एक बार फिर Gen-Z आंदोलन शुरू हो गया है, लेकिन इस बार युवा प्रधानमंत्री बालेन शाह के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं. पिछले तीन दिनों में तीन युवाओं ने अपने ऊपर पेट्रोल छिड़ककर आत्मदाह का प्रयास किया. नेपाल में सरकार द्वारा भूमिहीन झुग्गीवासियों के लिए वैकल्पिक पुनर्वास की व्यवस्था किए बिना उन्हें हटाए जाने के फैसले के विरोध में सैकड़ों लोगों ने रविवार (12 जुलाई 2026) को प्रदर्शन किया. संयुक्त राष्ट्रीय भूमिहीन मोर्चा के आह्वान पर आयोजित यह प्रदर्शन काठमांडू में सिंहदरबार सचिवालय के सामने स्थित मैतीघर मंडला में हुआ. प्रदर्शनकारियों ने "गरीबों पर अत्याचार बंद करो", "मानवाधिकारों का सम्मान करो", "अवैध गिरफ्तारियां बंद करो" और "भूमिहीन झुग्गीवासियों को आश्रय दो" जैसे नारे लिखी तख्तियां हाथों में ले रखी थीं।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला गड़बड़ियों पर RSS ने जताई चिंता

बेलगावी। कर्नाटक के बेलगावी में 12 जुलाई को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की बैठक हुई. यह संघ की अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक थी. इसमें कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई, लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान जिस बात ने खींचा, उसमें अयोध्या स्थित श्री राम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावे की गिनती में हुई अनियमितता की बैठक के बाद दुख जाहिर किया. बेलगावी में संघ की यह वार्षिक तीन दिवसीय बैठक थी. इस बैठक में अयोध्या राम मंदिर खजाना चोरी का मुद्दा गरमाया रहा. संघ ने अपनी प्रतिक्रिया जाहिर करते हुए, इस पूरे विवाद में कानूनी कार्रवाई पर विश्वास जताया है.

बैठक के दौरान कहा गया कि तीर्थ क्षेत्र न्यास के निवेदन पर चल रही एसआईटी एवं पुलिस कारवाई निर्णायक मोड़ पर पहुंचेगी. तीर्थ क्षेत्र न्यास से यह अपेक्षा की गई कि वह यह सुनिश्चित करे कि भविष्य में ऐसी कोई घटना न हो, जिससे समस्त राम भक्त राम मंदिर के प्रति श्रद्धा और गहरी आस्था पर आघात हो. बकायदा इससे जुड़ी एक प्रेस रिलीज भी बैठक को लेकर जारी की गई है. इसमें जनसांख्यिकी असंतुलन से होने वाली चुनौतियों, ड्रग्स और नशा मुक्ति, शिरोमणि रविदास महाराज की 650वीं जंयती वर्ष जैसे मुख्य मुद्दों पर चर्चा की गई. बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाहक दत्तात्रेय होसबाले समेत 226 कार्यकर्ता उपस्थित रहे. बैठक में मार्च 2026 के बाद विभिन्न स्तरों पर संपन्न होने वाले ट्रेनिंग कैंप की समीक्षा की गई. इस साल देशभर में 83 संघ शिक्षा वर्ग, 12 कार्यकर्ता विकास वर्ग, इनमें कुल 18842 स्वयंसेवकों ने ट्रेनिंग प्राप्त की है. इनमें शाखा संचालन, संघर कार्यपद्धति, ग्राम विकास, कुटुम्ब प्रबोधन, आपदा प्रबंधन, पर्यावरण जैसे मुद्दे शामिल रहे.

करोड़ों की गड़बड़ी मामले में तमिलनाडु के पूर्व मंत्री ईवी वेलु से होगी पूछताछ

नई दिल्ली। तमिलनाडु के पूर्व मंत्री ईव की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही. उन्हें 15 जुलाई को डायरेक्टरेट ऑफ विजिलेंस एंड एंटी करप्शन यानी डीवीएसी के सामने पेश होना है. उनसे हाईवे डिपार्टमेंट के टेंडर कथित तौर पर 3.23 करोड़ रुपए की गड़बड़ी के मामले में पूछताछ की जाएगी. IANS न्यूज एजेंसी के मुताबिक, उन्होंने उन आरोपों को खारिज कर दिया है. उनपर आरोप था कि जांच से बचने के लिए उन्होंने सिंगापुर की यात्रा की थी. वेलु ने कहा है कि उन्होंने जांच एजेंसी को पहले ही इस बारे में जानकारी दे दी थी. इसमें उन्होंने एजेंसी को बताया था कि वह इलाज के लिए विदेश जा रहे हैं. समन मिलने के बाद अपने वकील के जरिए पेश होने का समय मांगा था. वेलु ने कहा है कि निश्चित रूप से 15 जुलाई को डीवीएसी के सामने पेश होऊंगा. जांच में पूरा सहयोग करूंगा. मामला कोर्ट में है. इस पर टिप्पणी नहीं करना चाहता. मुझे न्यायपालिका पर भरोसा है. किसी तरह का कोई गलत काम नहीं किया गया है।

पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एस वाई कुरैशी ने पूर्व पीएम को लेकर बड़ा खुलासा किया

2012 के यूपी चुनाव से पहले आत्महत्या करने वाले थे मनमोहन सिंह

नई दिल्ली। "मैं आत्महत्या कर लूंगा...", ये शब्द 2012 में प्रधानमंत्री रहे मनमोहन सिंह ने तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त (CEC) एस वाई कुरैशी से तब कहे थे, जब चुनाव आयोग के कामकाज को लेकर कुछ मंत्रियों की बेतुकी बयानबाजी से आहत कुरैशी ने अपनी नाराजगी प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंचाई थी. पूर्व पीएम मनमोहन सिंह ने कुरैशी से यह भी कहा था कि चुनाव आयोग केवल भारत का गौरव नहीं, बल्कि देश के लोकतंत्र की आत्मा है और अगर हमने इसे खो दिया तो सबकुछ खो देंगे.

सलमान खुर्शीद से शुरू हुआ विवाद

इस दिलचस्प बातचीत का जिक्र कुरैशी ने अपनी आगामी पुस्तक 'इंडिया एंड आई: ए हंड्रेड मेमोरीज, नॉट ए मेमॉयर' में किया है. अपनी किताब में पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को ऐसे नेता के रूप में याद किया है, जिनके लिए संवैधानिक मर्यादा केवल भाषणों तक सीमित नहीं थी, बल्कि वह उनके आचरण और सोच का अभिन्न हिस्सा थी. कुरैशी के मुताबिक, जनवरी 2012 में उत्तर प्रदेश में चुनाव हो रहा था. उस समय कानून मंत्री सलमान खुर्शीद ने एक चुनावी रैली में वादा किया कि उनकी पार्टी सत्ता में आई तो नौकरियों में मुसलमानों के लिए आरक्षण 4.5 फीसदी से बढ़ाकर 9 फीसदी कर दिया जाएगा.

कांग्रेस और बीजेपी थी आमने-सामने

उन्होंने लिखा, 'भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने इसे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन बताते हुए तुरंत चुनाव आयोग में शिकायत की थी कि चुनाव प्रक्रिया शुरू होने और आचार संहिता लागू होने के बाद किसी नई योजना की घोषणा नहीं की जा सकती.' कुरैशी ने लिखा, 'हमने चार दिन तक सुनवाई की. कांग्रेस की ओर से अभिषेक मनु सिंघवी और बीजेपी की ओर से अरुण जेटली ने पक्ष रखा. दो प्रखर कानूनी विद्वान इस पेचीदा सवाल पर तर्कों की धार आजमा रहे थे कि आखिर चुनावी वादे और मतदाताओं को प्रलोभन देने के बीच की लकीर कहां खींची जाए. आखिरकार चुनाव आयोग ने खुर्शीद की निंदा की.' कुरैशी के अनुसार, आचार संहिता के तहत आयोग के पास उपलब्ध यह सबसे कड़ी कार्रवाई थी. जुलाई 2010 से जून 2012 तक मुख्य चुनाव आयुक्त रहे कुरैशी बताते हैं कि आयोग की कार्रवाई से खुर्शीद स्पष्ट रूप से नाराज थे. इसके बाद कांग्रेस के भीतर से आवाजें उठने लगीं कि चुनाव आयोग अहंकारी या मनमाना हो गया है।

होर्मुज पर दो धड़ों में बंटा ईरान!

नई दिल्ली। ईरान के अंदर भी रणनीति को लेकर मतभेद खुलकर सामने आने लगे हैं. सबसे बड़ा विवाद दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों में शामिल होर्मुज स्ट्रेट को लेकर है. एक ओर ईरान की ताकतवर सैन्य संस्था इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स अमेरिका के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए होर्मुज स्ट्रेट पर अपना नियंत्रण बनाए रखने की वकालत कर रही है, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान की सरकार कूटनीतिक रास्ते से तनाव कम करने और बातचीत के जरिए समाधान निकालने के पक्ष में दिखाई दे रही है. सौफान सेंटर के वरिष्ठ विश्लेषक केनेथ कैट्जमैन का कहना है कि मौजूदा हालात में ईरान के सत्ता तंत्र के भीतर दो अलग-अलग सोच काम कर रही हैं. IRGC के शीर्ष कमांडर और कट्टरपंथी धड़ा मानता है कि होर्मुज स्ट्रेट पर नियंत्रण बनाए रखना ईरान की सबसे बड़ी रणनीतिक ताकत है।

खिताबी रेस में बची अब सिर्फ 4 टीमें

कब और किसके बीच है पहला सेमीफाइनल

फीफा वर्ल्ड कप 2026 का पहला सेमीफाइनल फ्रांस और स्पेन के बीच है. ये रोमांचक मुकाबला होगा. एक तरफ किलियन एम्बाप्पे होंगे तो दूसरी तरफ लामिन यमाल. ये मैच भारतीय समयनुसार 15 जुलाई को 12:30 AM बजे से होगा. स्पेन बनाम फ्रांस सेमीफाइनल अमेरिका के टेक्सास के अर्लिंग्टन में स्थित एटी एंड टी स्टेडियम में खेला जाएगा, जिसे डलास स्टेडियम के नाम से भी जाना जाता है.

वाशिंगटन। फीफा वर्ल्ड कप 2026 का सफर 48 टीमों के साथ शुरू हुआ था, अब खिताबी रेस में सिर्फ 4 टीमें बनी हुई हैं. अर्जेंटीना लगातार दूसरे खिताब की ओर है, जिसने पिछले संस्करण में फ्रांस को फाइनल में हराया था. फ्रांस भी रेस में है, जिसने क्वार्टर फाइनल में मोरक्को को हराया है. इंग्लैंड ओर स्पेन भी खिताबी दौड़ में शामिल हैं. यहां देखें दोनों सेमीफाइनल मैचों का शेड्यूल और भारत में ये कितने बजे शुरू होंगे? फीफा वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में फ्रांस, इंग्लैंड, अर्जेंटीना और स्पेन पहुंची है. रविवार को हुए क्वार्टर फाइनल में इंग्लैंड ने नॉर्वे को 2-1 से हराया. अर्जेंटीना ने स्विट्जरलैंड को 3-1 से रौंदा, हालांकि लियोनेल मेसी इस मैच में कोई गोल नहीं कर सके. इससे पहले शुक्रवार को फ्रांस ने क्वार्टर फाइनल में मोरक्को को 2-0 से हराया था. शनिवार को स्पेन ने बेल्जियम पर 2-1 से जीत दर्ज की.

दूसरे सेमीफाइनल की डिटेल

फीफा वर्ल्ड कप 2026 का दूसरा सेमीफाइनल इंग्लैंड और अर्जेंटीना के बीच होगा. ये मैच 16 जुलाई को 12:30 बजे से शुरू होगा. इंग्लैंड बनाम अर्जेंटीना मैच अमेरिका के जॉर्जिया राज्य के अटलांटा शहर में स्थित मर्सिडीज-बेंज स्टेडियम में खेला जाएगा. इसे अटलांटा स्टेडियम के नाम से भी जाना जाता है.

फीफा वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल कब है?

फाइनल 20 जुलाई को 12:30 AM बजे से है. इससे पहले दोनों सेमीफाइनल हारने वाली टीमों के बीच तीसरे स्थान के लिए 19 जुलाई को मैच होगा, जो भारतीय समयनुसार 2:30 बजे शुरू होगा।

भारत ने रूस से खरीदा 49000 करोड़ का तेल

मिडिल ईस्ट में संकट से सबक लेते हुए भारत कच्चे तेल के आयात के लिए सिर्फ खाड़ी देशों पर निर्भर नहीं रहना चाहता है. इसके चलते वह कई अन्य देशों से भी बड़े पैमाने पर कच्चा तेल मंगा रहा है. इन्हीं में से एक है रूस. सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर' (CREA) की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जून 2026 में भारत ने रूस से कुल 5.5 अरब यूरो के हाइड्रोकार्बन (जीवाश्म ईंधन) खरीदे. इसमें से 83% हिस्सा अकेले कच्चे तेल का रहा, जो 4.5 अरब यूरो (49000 करोड़) रुपये का था. इसकी रिकॉर्डतोड़ खरीदारी के बाद भारत दुनिया में चीन के बाद (7.3 अरब डॉलर) रूसी तेल का दूसरा सबसे बड़ा खरीदार बन गया है.

रूस की कम कमाई

भारत की तरफ से कच्चे तेल की खरीदारी बढ़ने से रूस के कच्चे तेल का एक्सपोर्ट वॉल्यूम भी 14% बढ़ गया है, लेकिन डिस्काउंट की वजह से कच्चे तेल के एक्सपोर्ट से होने वाली कमाई महीने-दर-महीने 8% घटकर 348 मिलियन यूरो प्रति दिन रह गई है.रिपोर्ट में आगे यह भी कहा गया है कि कुल मिलाकर, रूस के एक्सपोर्ट वॉल्यूम में 7% की बढ़ोतरी होने के बावजूद रूस के फॉसिल फ्यूल एक्सपोर्ट से होने वाली कमाई 1% घटकर 734 मिलियन यूरो प्रति दिन रह गई. यानी कि भारत और अन्य एशियाई देशों को तेल बेचकर भी रूस के रेवेन्यू में 8% की गिरावट अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में तेल की कीमतों में नरमी और भारी डिस्काउंटके चलते आई है.

भारत बना रिफाइनरी हब

भारत रूस से कम कीमत पर तेल खरीदकर उसे रिफाइन कर अमेरिका और यूरोपीय बाजारों में पेट्रोलियम उत्पादों के रूप में बेच रहा है. रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ कि जून 2026 में ब्रिटेन ने सरकारी छूट के तहत रिलायंस की जामनगर रिफाइनरी से रूसी कच्चे तेल से तैयार जेट ईंधन की अपनी पहली खेप प्राप्त की, जिसकी कीमत लगभग 63 मिलियन यूरो रही.

भारत में महिलाओं ने लिया 76 लाख करोड़ का कर्ज

नई दिल्ली। भारतीय अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने की दिशा में महिलाएं भी जोर कदम से अपना योगदान दे रही हैं. घर की चारदीवारी से निकलकर महिलाएं आजकल हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं. यहां तक की बिजनेस की दुनिया में भी नए-नए मुकाम हासिल कर रही हैं. नीति आयोग की रिपोर्ट भी कुछ ऐसा ही कह रही है. NITI Aayog की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में महिला कर्जदारों के पास कुल 76 लाख करोड़ रुपये का क्रेडिट पोर्टफोलियो है. यह 2025 तक कुल सिस्टम क्रेडिट का 26 परसेंट है और 2017 के बाद से इसमें 4.8 गुना की बढ़ोतरी हुई है.'From Borrowers to Builders: Women and India's Evolving Credit Market' (उधारकर्ताओं से निर्माताओं तक: महिलाएं और भारत का उभरता क्रेडिट बाजार) शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में आयोग ने कहा कि दिसंबर 2017 से दिसंबर 2025 के बीच क्रेडिट लेने वाली सक्रिय महिला उधारकर्ताओं की संख्या 9 परसेंट CAGR से बढ़ी है।

फिर बढ़ सकते हैं पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों (I O C L, BPCL, HPCL) ने 12 जुलाई को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है. इस बीच अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में क्रूड ऑयल के दाम घट-बढ़ रहे हैं. इसके चलते इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम डायनामिक प्राइसिंग सिस्टम का पालन कर रही हैं. इस सिस्टम के तहत, ग्लोबल क्रूड ऑयल की कीमतों और करेंसी में उतार-चढ़ाव के आधार पर हर सुबह पंप पर ईंधन की कीमतें बदली जा सकती हैं. इस हिसाब से देखें तो आने वाले समय में पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ सकती हैं क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच जंग फिर से रफ्तार पकड़ती जा रही है.

अमेरिका के ईरान पर ताजा हमलों के बाद अब ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए खाड़ी देशों में मौजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया. इससे मिडिल ईस्ट में तनाव एक बार फिर से चरम पर पहुंच गया है. ईरान ने कतर, जॉर्डन, बहरीन, कुवैत और ओमान में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और उसके सहयोगी देशों पर ताबड़तोड़ मिसाइलें दागी. इस हमले के बाद अब अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर क्रूड ऑयल की कीमतें बढ़ने की आशंकाएं तेज होने लगी हैं. अमेरिका और ईरान के बीच इस तनातनी से होर्मुज (Strait of Hormuz) से एनर्जी शिपमेंट में फिर से दिक्कतें आ सकती हैं. चूंकि दुनिया का 20% कच्चा तेल इसी रास्ते से होकर गुजरता है इसलिए हमलों की खबर से आज सुबह अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल 3% से अधिक उछलकर 78.35 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है।

भारी कर्ज और वित्तीय संकट, क्या डूब जाएगी स्पाइसजेट

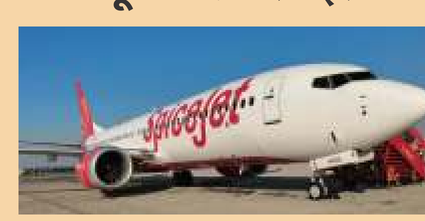

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एयरलाइंस में से एक स्पाइसजेट फिलहाल बड़ी ही मुश्किल परिस्थितियों से गुजर रही है. जिसके चलते कंपनी ने अपने साथ काम कर रहे स्टाफ को कम करने का फैसला किया है. कंपनी ने इस वित्तीय संकट से निपटने के लिए अपने स्टाफ में से 20 प्रतिशत को कम करने का मन बना लिया है. खबरों की मानें तो कंपनी जल्दी ही अपने कई कर्मचारियों को बिना वेतन दिए अस्थाई रूप से अवकाश पर भेजने वाली है. फिलहाल कंपनी में 6,800 कर्मचारी हैं, इन्हीं में से कई छटनी में बाहर कर दिए जाएंगे. तो वहीं कंपनी के पास अपने केवल 13 ही प्लेन बाकी रह गए हैं, जिनमें 10 बोइंग विमान हैं और 3 Q400 शामिल हैं. इसके अलावा 14 प्लेन लीज पर भी चल रहे हैं. अपनी वित्तीय परेशानियों के बीच कंपनी ने अन्य सीनियर कर्मचारियों की 2-3 महीने की सैलेरी भी नहीं दी है. TDS और PF की 100 करोड़ से भी ज्यादा की राशि बाकी है.

सूर्यवंशी को ड्रॉप करना ग़लत

नई दिल्ली। टीम इंडिया को इंग्लैंड के ख़िलाफ़ क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा. भारतीय टीम खेल के हर डिपार्टमेंट में इंग्लैंड के सामने फ्लॉप साबित हुई. भारतीय टीम के इस ख़राब प्रदर्शन को लेकर एबीपी कंसल्टेंट रवीश बिष्ट ने पूर्व भारतीय खिलाड़ी मोहम्मद कैफ़ से बात की. कैफ़ के मुताबिक़ जिस अंदाज में टीम इंडिया खेली वो गेम में कहीं थी ही नहीं. कैफ ने कहा, "एक होता है कि चलो यार लड़ाई की लास्ट ओवर में मैच हार गए. आप आयरलैंड से देख लो. यहां तक हम कोई मैच में बने ही नहीं थे. हम 76 पर ऑल आउट हो गए. ठीक है? हमने 250 बनवा दिए. हम 11 ओवर में मैच हार गए. मतलब हमने कोई भी ऐसा काम नहीं किया जिससे मैं टीम इंडिया की तारीफ़ करूँ. "कैफ़ ने कहा, "आप प्लेइंग 11 की बात कर लो. इनको अपने बेस्ट 11 प्लेयर नहीं पता. मैं तो हैरत कर रहा हूं कि मुझे याद नहीं आ रहा कि ऐसी कौन सी मैनेजमेंट थी पहले जिसको अपनी बेस्ट प्लेइंग 11 ना पता हो।

हेल्थ इंश्योरेंस के लिए बना नया सुपर पैनल

अब कम होंगे अस्पताल के भारी-भरकम बिल

नई दिल्ली। अस्पताल के भारी-भरकम बिल को चुकाना हर किसी के लिए मुसीबत की तरह होता है. यहां तक कि यदि किसी के पास हेल्थ इंश्योरेंस भी है तो उसमें भी काफी समय लग ही जाता है. इसी स्थिति को देखते हुए और प्रोसेस में पारदर्शिता के मकसद से IRDAI यानी भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण ने एक नया नियम लागू करने के बारे में सोचा है. जिससे क्लेम की प्रक्रिया आसान होगी साथ ही साथ हॉस्पिटल अपना मनमानी बिल नहीं वसूल पाएंगे. इसके लिए एक नई उप कमेटी का गठन किया गया है.

नई कमेटी का गठन

IRDAI ने अस्पतालों के मनमानी बिल पर रोक लगाने के लिए नई उप कमेटी का गठन किया है. ये उप कमेटी हेल्थ इंश्योरेंस के जरिए इनोवेशन, वाइडर कवरेज, बेहतर रिस्क और बेहतर फाइनेंशियल प्रोटेक्शन को बढ़ावा देने के लिए रेग्युलेटरी, पॉलिसी और ऑपरेशनल मेजर्स को रेकमंड करेगी. इस कमेटी के गठन का मकसद उपभोक्ताओं के लिए प्रोसेस में पारदर्शिता लाना और पॉलिसीधारकों के लिए इंश्योरेंस को ज्यादा आसान बनाना है.

IRDAI का मकसद?

इस कमेटी के गठन के साथ ही इरडा का नए नियमों के साथ मकसद साफ है. उन्हें लोगों के लिए क्लेम एक्सपीरियंस को सुगम बनाना है. हॉस्पिटल के टैरिफ में सुधार करना है, जिससे वो मनमानी फीस मरीजों से ना वसूल पाएं. इससे डिजिटल सिस्टम भी दुरुस्त होगा. लोगों के साथ धोखाधड़ी नहीं होगी. इसके अलावा पूरी प्रोसेस पारदर्शिता के साथ होगी, जिससे उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ेगा. प्रोबस के मैनेजिंग डायरेक्टर राकेश गोयल का इसे लेकर कहना है कि, 'फिलहाल सबसे बड़ी परेशानी यही है कि लोगों को लगता है कि इंश्योरेंस होने की वजह से उनसे ज्यादा पैसे वसूले जा रहे हैं. नई कमेटी का सबसे पहला काम इन टैरिफ और अस्पतालों के नेटवर्क की विसंगतियों को दुरुस्त करना है. इसका सीधा फायदा ये होगा कि इलाज की कीमतें सही होंगी और बिलिंग भी एक जैसी ही होगी.

राम मंदिर चंदा चोरी: आस्था के नाम पर राजनीति, चढ़ावे के नाम पर लूट

अब भगवान राम के नाम पर जुटाया गया चंदा भी BJP-RSS की राजनीतिक लूट का शिकार हो गया

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन रायपुर में कांग्रेस कार्यसमिति CWC के मेंम्बर कमलेश्वर पटेल ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज की उपस्थिति में पत्रकारवार्ता को संबोधित करते हुये कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम करोड़ों भारतीयों की आस्था, संस्कृति और नैतिक चेतना के प्रतीक हैं। देश के कोने-कोने से गरीब, किसान, मजदूर, महिलाएं और श्रद्धालु अपनी मेहनत की कमाई, अपने गहने, अपनी बचत और अपनी श्रद्धा लेकर राम मंदिर निर्माण के लिए आगे आए। भाजपा, आरएसएस, विश्व हिंदू परिषद और संघ परिवार के संगठनों ने लगभग तीन दशकों तक भगवान राम के नाम पर राजनीति की, देश के गरीब व मध्यम वर्ग से राम के नाम पर चंदा एकत्र किया और इसी आंदोलन के आधार पर सत्ता प्राप्त की। आज वही करोड़ों रामभक्त यह पूछने को मजबूर हैं कि भगवान राम के नाम पर जुटाया गया चंदा और चढ़ावा आखिर किसके संरक्षण में लूटा गया? यह केवल आर्थिक घोटाला नहीं है। यह करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था, विश्वास और भावनाओं के साथ किया गया घोर विश्वासघात है।

तीन बड़े सवाल

1. जब ट्रस्ट का गठन प्रधानमंत्री की देखरेख में हुआ, तो इस घोटाले की जवाबदेही कौन लेगा?

2. अगर सब कुछ ठीक था, तो चंपत राय और अनिल मिश्रा के इस्तीफे क्यों हुए?

3. अगर कुछ गलत नहीं हुआ, तो सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में स्वतंत्र जांच से डर किस बात का है?

अब तक सामने आए तथ्य अत्यंत गंभीर हैं- श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के तत्कालीन महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा के इस्तीफे स्वीकार किए जा चुके हैं। यह स्वयं इस बात का संकेत है कि मामला सामान्य प्रशासनिक त्रुटि का नहीं, बल्कि एक बड़े घोटाले का है। ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी ने स्वयं सार्वजनिक रूप से बयान दिए हैं, जबकि ट्रस्ट की वित्तीय निगरानी, पारदर्शिता और संपत्तियों की सुरक्षा की सर्वोच्च जिम्मेदारी उन्हीं की थी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ट्रस्ट के विशिष्ट आमंत्रित सदस्य गोपाल राव (गोपाल नगरकोटे) को हटाए जाने और उनकी स्थिति को लेकर भी गंभीर भ्रम और विरोधाभास सामने आए हैं।

आरएसएस के पूर्वी उत्तर प्रदेश प्रभारी कृष्णमोहन को ट्रस्ट का नया महासचिव बनाया गया है, जबकि उन पर पूरे प्रकरण को दबाने और लीपापोती करने के आरोप सार्वजनिक रूप से लगाए जा चुके हैं। यह जग जाहिर है कि ट्रस्ट के प्रशासनिक ढांचे और शीर्ष नियुक्तियों में प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) की सक्रिय भूमिका रही है। ऐसे में केंद्र सरकार अपनी जवाबदेही से स्वयं को अलग नहीं कर सकती। एसआईटी अब राम मंदिर के बड़े आयोजनों के खर्चों की भी जांच कर रही है।

22 जनवरी 2024 की प्राण-प्रतिष्ठा पर लगभग ₹113 करोड़ खर्च किए गए, जिसमें लगभग 8,000 अतिथि शामिल हुए। 25 नवंबर 2025 के ध्वजारोहण कार्यक्रम पर लगभग ₹10.12 करोड़ खर्च किए गए। फर्जी रसीदों, नकद चढ़ावे, लेखा-जोखा और कथित हेराफेरी के अनेक आरोप सामने आए हैं। छोटे कर्मचारियों पर कार्रवाई की जा रही है, जबकि ट्रस्ट के शीर्ष पदाधिकारियों की जवाबदेही अब तक तय नहीं हुई है। यही नहीं, भाजपा-आरएसएस ने न प्रभु श्री राम के चंदे को छोड़ा और ना ही अब उत्तराखंड के श्री बद्रीनाथ मंदिर से जुड़े हालिया दान घोटाले ने भी यह प्रश्न खड़ा किया है कि कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस इस सच्चाई पर पर्दा नहीं डाल सकती कि सीसीटीवी निगरानी, बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था और प्रभावशाली लोगों के संरक्षण के बिना इतने बड़े स्तर पर यह कथित घोटाला संभव नहीं हो सकता। टुकड़ों-टुकड़ों में इस्तीफे, छोटे कर्मचारियों की गिरफ्तारी और सीमित कार्रवाई केवल लीपापोती का प्रयास प्रतीत होते हैं, ताकि बड़ी मछलियों तक आंच न पहुंचे।

भाजपा पार्षदों के इस्तीफे की चिट्ठी वायरल

रायपुर। रायपुर में बारिश की पानी से कालोनी से लेकर बस्ती,सड़क तक डूबने के लिए ट्रिपल इंजन सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि निकाय चुनाव में भाजपा ने अटल विश्वास पत्र जारी कर वादा किया था कि ट्रिपल इंजन की सरकार में बारिश की पानी से उतपन्न जल भराव की समस्या का निदान किया जायेगा।मीनल चौबे ने दावा किया था कि राजधानी में कहाँ कहाँ जलभराव की समस्या है उसे चिन्हाकित कर लिया गया है और ट्रिपल इंजन की सरकार बनते ही उन समस्याओं को हल कर लिया जायेगा।लेकिन अटल विश्वास पत्र भी मोदी की गारंटी की तरह जनता के लिए जुमला साबित हो गया।जलभराव की समस्या हल करने ट्रिपल इंजन की सरकार ने कोई काम नही किया है।जिसका खामियाजा रायपुर शहर के निवासियों को उठाना पड़ रहा है। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा रायपुर शहर के लगभग सभी बस्तियां एवं पाश कालोनी में बारिश के कारण नाले का गंदा पानी, कीचड़ ,गन्दनी और जहरीले जीव जंतु घरों में घुस गये।

भाजपा के प्रकोष्ठों को केंद्र और राज्य सरकार की योजनाएं घर-घर तक पहुंचाने का जिम्मा

रायपुर। कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में शुक्रवार को समस्त प्रकोष्ठों की प्रदेश कार्यसमिति में प्रदेश संगठन ने सभी प्रकोष्ठों को केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का जिम्मा सौंपा। इसी के साथ सभी से मिशन 2028 में अभी से जुटने के लिए भी कहा गया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सबसे पहले समस्त प्रकोष्ठों के नवनियुक्त संयोजक, सह संयोजक एवं पदाधिकारियों को नवीन दायित्व के लिए बधाई देते हुए कहा, हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए यह गौरव का विषय है कि हम सभी विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल के कार्यकर्ता हैं, जिसके करोड़ों सदस्य हैं। इतनी बड़ी कोई दूसरी पार्टी दुनिया में नहीं है। सबसे बड़ा लोकतंत्र भी हमारा देश है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व को आज दुनिया स्वीकार कर रही है। पूरी दुनिया की निगाह भारत पर है। श्री मोदी देश को विकसित बनाने के लिए लगातार कार्य कर रहे हैं। देश की जनता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भारतीय जनता पार्टी पर भरोसा करती है, तभी तो देश के 22 राज्यों में भाजपा की सरकार है। श्री साय ने कहा, छत्तीसगढ़ में भाजपा के 61 लाख प्राथमिक सदस्य हैं जिसमें से आप लोगों को यह दायित्व मिला है। विधानसभा चुनाव 2023 में मोदी की गारंटी में किए वादों की चर्चा करते हुए श्री साय ने कहा कि मोदी की गारंटी के अधिकतर वादों को हमने पूरा कर दिया है।

भाजपा जनसेवा की भावना से कार्य करती है : किरण देव

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कहा, हम जन सेवा के लिए कार्य करते हैं एवं सरकार में रहकर जन सेवा को ही सर्वोपरि मानते हैं। अन्य दल सरकार बनाने के लिए कुछ भी करते हैं। श्री देव ने कहा, 3 साल में दायित्व बदल जाता है। कोई भी अपनी निष्ठा और परिश्रम के बदौलत भाजपा में किसी भी मुकाम पर पहुंच सकता है। भाजपा का एक छोटा कार्यकर्ता भी मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री बन सकता है।

रामगोपाल की गिरफ्तारी के विरोध में मोदी और साय का पुतला दहन करेगी कांग्रेस

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, कांग्रेस नेता रामगोपाल अग्रवाल की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस पार्टी पूरे प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय का पुतला दहन करेगी। कांग्रेस संगठन ने शुक्रवार को सभी जिला मुख्यालयों में इसके खिलाफ प्रदर्शन का ऐलान किया है। उन्होंने कहा, कांग्रेस के पूर्व कोषाध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल की एसीबी, ईओडब्ल्यू के द्वारा की गई गिरफ्तारी भाजपा सरकार का राजनैतिक षड्यंत्र है। विधानसभा चुनाव के समय से ही भाजपा केंद्रीय एजेंसियों के माध्यम से कांग्रेस के नेताओं के खिलाफ षड्यंत्र करती रही है। पहले केंद्रीय एजेंसियों को इस काम में लगाया गया, अब राज्य की जांच एजेंसी के माध्यम से षड्यंत्र किया जा रहा है। उन्होंने कहा, भारतीय जनता पार्टी की केंद्र सरकार ईडी, सीबीआई, आईटी को लगाकर कांग्रेस की छवि खराब करने के लिए कांग्रेस नेताओं के खिलाफ झूठे मुकदमे दर्ज कर परेशान करती रही है। जिन मामलों में ईडी जांच करके कुछ हासिल नहीं कर पाई, उसी में ईओडब्ल्यू से जांच करवाई जा रही है। यह मामला अदालत में नहीं टिकेगा, अदालत में भाजपा का षड्यंत्र बेनकाब होगा। पूरी मजबूती से इस षड्यंत्र के खिलाफ कानूनी और लोकतांत्रिक लड़ाई लड़ी जाएगी। हम भाजपा के इन षड्यंत्रों को जनता के बीच बेनकाब भी करेंगे।

महादेव सट्टा ऐप के मास्टरमाइंड की गिरफ्तारी से चेहरे होंगे बेनकाब

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. विजयशंकर मिश्रा ने महादेव ऑनलाइन बेटिंग ऐप के मुख्य आरोपी और मास्टरमाइंड सौरभ चंद्राकर की ओमान में हुई गिरफ्तारी के मद्देनजर तत्कालीन कांग्रेस सरकार और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर तीखा हमला बोला है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केन्द्रीय जांच एजेंसियों की तत्परता का परिणाम है कि छत्तीसगढ़ की युवा पीढ़ी को सट्टे के दलदल में धकेलने वाला मुख्य गुनहगार आज सलाखों के पीछे है। उसे ओमान से प्रत्यर्पित कर भारत लाया जा रहा है और अब इस 5 हजार करोड़ रुपए के महाघोटाले के असली 'आकाओं' के चेहरे बेनकाब होकर रहेंगे। उन्होंने कांग्रेस शासनकाल पर कड़ा कटाक्ष करते हुए कहा, भूपेश बघेल की सरकार 'सट्टा सरकार' के रूप में याद की जाएगी। जिस भिलाई के लड़के ने हजारों करोड़ रुपए का साम्राज्य खड़ा कर लिया, वह कांग्रेस सरकार की नाक के नीचे फल-फूल रहा था। कांग्रेस के राज में जिन अपराधियों को अभयदान मिला हुआ था, भाजपा सरकार में उन्हें पाताल से भी ढूंढ निकाला जा रहा है।

सरकार नकटी गाँव के विवाद को सुलझाने के बजाय और विवाद कर रहीः मोहम्मद अकबर

छह गाँवों की 1076 एकड़ जमीन बिल्डरों को सौंपने की तैयारी

रायपुर। पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता मोहम्मद अकबर ने कहा है कि प्रदेश की भाजपा सरकार अब नकटी गाँव के विवाद को सुलझाने के बजाय वहां की जमीनों को लेकर एक अन्य विवाद की तैयारी में है। शासकीय दस्तावेज स्पष्ट रूप से बताते हैं कि नकटी सहित सेरीखेड़ी, मंदिर हसौद, रमचंडी, बरौंदा और रीको की कुल 436.01 हेक्टेयर (करीब 1076 एकड़) भूमि को नगर विकास योजना के नाम पर निजी हाथों में सौंपने की तैयारी की जा रही है। सबसे गंभीर बात यह है कि इस प्रस्तावित योजना में नकटी गाँव की भी कुछ जमीनों को शामिल किया गया है। सरकार स्पष्ट करें कि इस योजना में वह विवादित जमीन तो शामिल नहीं है जहाँ विध्वंश हुआ है। नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण द्वारा जारी निविदा के दस्तावेज बताते हैं कि चयनित एजेंसी को सड़क, जलापूर्ति, सीवरेज, विद्युत जैसी आधारभूत संरचनाएँ विकसित करने के बदले मिश्रित उपयोग (मिक्स यूज़) भूमि के विकास और उसके विक्रय का अधिकार दिया जाएगा। इसका मतलब ये है कि उक्त जमीनों को सीधे न बेचकर डेवलपर के माध्यम से बेचा जा रहा है। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 22.07.2026 है। नकटी गाँव की जमीन को लेकर विवाद बना हुआ है, प्रभावित परिवार न्याय की मांग कर रहे हैं और उनकी समस्याओं का समाधान अभी तक नहीं हुआ है। वर्तमान परिस्थितियों में ग्राम नकटी में विध्वंश के बाद गाँव में तनावपूर्ण स्थिति है इसलिए जब तक पीड़ित परिवारों को न्यायपूर्ण और सर्वसम्मत हक नहीं मिल जाता तब तक सरकार की प्राथमिकता मान्य व्यवस्थापन ही होना चाहिए।

बिल्डरों को जमीन सौंपने का आरोप झूठा : केदार

वन मंत्री केदार कश्यप ने कांग्रेस नेता मो. अकबर द्वारा नकटी क्षेत्र की 1076 एकड़ भूमि को बिल्डरों को सौंपने की तैयारी संबंधी आरोपों को पूरी तरह मनगढ़ंत, झूठा और राजनीतिक साजिश बताया है। उन्होंने कहा, कांग्रेस के पास न तथ्य हैं, न प्रमाण, इसलिए जनता को भ्रमित करने के लिए झूठ का सहारा लिया जा रहा है। उन्होंने अकबर को खुली चुनौती देते हुए कहा, यदि उनके आरोपों में जरा भी सच्चाई है, तो वे दस्तावेज और प्रमाण सार्वजनिक करें। साय सरकार किसी भी दुष्प्रचार या राजनीतिक दबाव में आने वाली नहीं है। सरकारी भूमि की रक्षा, कानून का निष्पक्ष पालन और गरीबों के हितों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उद्योगों के साथ पर्यावरण संरक्षण की नई साझेदारी: ओ.पी. चौधरी

रायपुर। राज्य में मानसून-2026 के दौरान औद्योगिक इकाइयों द्वारा संचालित वृक्षारोपण कार्यक्रमों की समीक्षा के लिए आज आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी की मुख्य आतिथ्य में बेबीलॉन कैपिटल, रायपुर में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य की प्रमुख मीडियम एवं लार्ज स्केल औद्योगिक इकाइयों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों, आवास एवं पर्यावरण विभाग तथा छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार विकसित भारत-2047 के विजन के अनुरूप विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। औद्योगिक विकास और पर्यावरण संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं। राज्य सरकार निवेश-अनुकूल वातावरण तैयार कर रही है, लेकिन पर्यावरणीय मानकों से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण केवल लक्ष्य पूरा करने का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि लगाए गए पौधों का जीवित रहना सबसे महत्वपूर्ण है। सही समय पर, उपयुक्त प्रजाति के स्वस्थ पौधों का रोपण तथा उनकी नियमित देखभाल और सिंचाई सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने उद्योगों से पीपल, शिरीष, नीम, आम, कटहल सहित स्थानीय एवं दीर्घायु प्रजातियों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने भी 'मन की बात' कार्यक्रम में मियावाकी पद्धति जैसी आधुनिक वृक्षारोपण तकनीकों का उल्लेख किया है और ऐसे नवाचारों को अपनाने से हरित आवरण तेजी से बढ़ाया जा सकता है।

मंत्री श्री चौधरी ने सभी उद्योगों से अपने परिसर तथा आसपास हरित वातावरण विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने निर्देश दिए कि 31 जुलाई तक वृक्षारोपण का निर्धारित लक्ष्य पूरा किया जाए तथा 15 अगस्त तक गुणवत्तापूर्ण पौधरोपण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि वृक्षारोपण की ऑनलाइन मॉनिटरिंग की जाएगी तथा पोर्टल पर समयबद्ध प्रविष्टि अनिवार्य होगी।

उर्वरक के अवैध भंडारण पर कृषि विभाग की कार्रवाई 100 बोरी यूरिया जब्त

रायपुर। कोरबा जिले के उरगा में अवैध रूप से उर्वरक भंडारण किए जाने की सूचना प्राप्त होने पर कृषि विभाग की टीम द्वारा तत्काल निरीक्षण एवं जांच की गई। निरीक्षण के दौरान सिलियरी भाटा, उरगा स्थित एक गोदाम में 100 बोरी (लगभग 4.5 टन) आईपीएल यूरिया का भंडारण पाया गया। जांच के दौरान संबंधित खाद विक्रेता से उर्वरक क्रय-विक्रय से संबंधित बिल एवं आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया, किंतु वह कोई वैध बिल प्रस्तुत नहीं कर सका। साथ ही, उक्त उर्वरक का भंडारण किस उद्देश्य से किया गया था, इसका भी संतोषजनक एवं स्पष्ट जवाब नहीं दिया गया। जांच में यह पाया गया कि श्याम खाद भंडार, उरगा द्वारा अघोषित गोदाम में 100 बोरी आईपीएल यूरिया का अवैध भंडारण किया गया था। इस पर कृषि विभाग द्वारा नियमानुसार कार्रवाई करते हुए उर्वरक का नमूना परीक्षण हेतु लिया गया तथा संपूर्ण 100 बोरी यूरिया को जब्त कर लिया गया। जब्त किए गए उर्वरक को अग्रिम वैधानिक कार्रवाई पूर्ण होने तक महावीर अग्रवाल की सुपुर्दगी में सौंपा गया है। कृषि विभाग ने स्पष्ट किया है कि उर्वरकों के अवैध भंडारण एवं कालाबाजारी पर लगातार निगरानी रखी जा रही है तथा इस प्रकार के मामलों में नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

42 हजार तेंदूपत्ता संग्राहक परिवारों के खातों में पहुंचे 40.72 करोड़

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले के तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर है। वन मंत्री श्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में वन विभाग ने मुस्तैदी दिखाते हुए रिकॉर्ड समय में तेंदूपत्ता संग्रहण का भुगतान पूरा कर लिया है। अब तक जिले के 42 हजार 178 संग्राहकों के बैंक खातों में कुल 40.72 करोड़ रुपये की राशि सीधे (Direct Benefit Transfer - DBT) ट्रांसफर की जा चुकी है।वन विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2026 में सुकमा जिले के कुल 46 हजार 620 तेंदूपत्ता संग्राहकों के लिए कुल 46.04 करोड़ रुपये के भुगतान का प्रावधान किया गया है। विभागीय तत्परता के चलते इसमें से 88.45 प्रतिशत राशि का भुगतान 11 जुलाई तक सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। जिला प्रशासन और वन विभाग का लक्ष्य है कि शेष बचे पात्र संग्राहकों के खातों में भी जुलाई माह के अंत तक शत-प्रतिशत राशि जमा करा दी जाए।

सुकमा के जिला वन मंडलाधिकारी (DFO) श्री अक्षय भोंसले ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष जिले में कुल 83 हजार 710 मानक बोरा तेंदूपत्ता का संग्रहण किया गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि पूरी भुगतान प्रक्रिया को प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) के माध्यम से अंजाम दिया गया है, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई है और पूरी पारदर्शिता के साथ राशि सीधे ग्रामीणों के खातों में पहुंची है। तेंदूपत्ता से होने वाली यह आय सुकमा के वनाश्रित और ग्रामीण परिवारों की आजीविका का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। मानसून के इस सीजन में समय पर पैसा मिलने से स्थानीय ग्रामीणों को बेहद मदद मिल रही है। ग्रामीण परिवार खरीफ की फसल के लिए समय पर उन्नत बीज, उर्वरक (खाद) और आवश्यक कृषि उपकरण खरीद पा रहे हैं।

पीएम इंटर्नशिप योजना : दंतेवाड़ा के 84 युवाओं को NMDC में मिला इंटर्नशिप का अवसर

रायपुर। प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के 84 युवाओं के लिए रोजगार और कौशल विकास की राह आसान हो गई है। इन युवाओं को देश की प्रतिष्ठित नवरत्न कंपनी राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (NMDC) में निःशुल्क व्यावहारिक प्रशिक्षण (इंटर्नशिप) प्राप्त करने का सुनहरा अवसर मिला है। शनिवार को लाइवलीहुड कॉलेज दंतेवाड़ा में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान सभी चयनित युवाओं को उनके नियुक्ति-पत्र सौंपे गए। यह कार्यक्रम जिला प्रशासन, जिला रोजगार विभाग और माई भारत संगठन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक श्री चैतराम अटामी ने चयनित युवाओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह पहल जिले के युवाओं को मुख्यधारा के रोजगार से जोड़ने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बेहद महत्वपूर्ण और प्रभावी कदम है। विभागीय अधिकारियों से मिली जानकारी के मुताबिक, इस वर्ष मई महीने में प्रधानमंत्री इंटर्नशिप योजना के तहत एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया था। इस शिविर में जिले भर से 480 से अधिक युवाओं ने बढ़-चढ़कर आवेदन किया था। पूरी तरह से पारदर्शी चयन प्रक्रिया अपनाने के बाद अंतिम रूप से 84 युवाओं का चयन किया गया है। इस इंटर्नशिप कार्यक्रम के दौरान युवाओं को छडक्ब् जैसी बड़ी कंपनी में काम करने का व्यावहारिक (ऑन-फील्ड) अनुभव मिलेगा। इसके साथ ही, प्रशिक्षण अवधि के दौरान प्रत्येक चयनित युवा को प्रति माह 9 हजार रुपये का स्टायपंड (Stipend) भी दिया जाएगा। अधिकारियों का मानना है कि इस प्रशिक्षण से युवाओं के तकनीकी और व्यावसायिक कौशल में उल्लेखनीय वृद्धि होगी।

धमतरी के 10 वर्षीय त्रिशांत का हुआ सफल और पूर्णतः निःशुल्क हृदय ऑपरेशन

चिरायु' की सतर्कता से त्रिशांत के दिल को मिली धड़कन

रायपुर। कहते हैं कि अगर सही समय पर सही मदद मिल जाए, तो किसी के जीवन की डूबती कश्ती को भी किनारा मिल जाता है। छत्तीसगढ़ शासन की संवेदनशीलता और राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (RBSK) के अंतर्गत संचालित 'चिरायु योजना' धमतरी जिले के ग्राम सिंधौरीखुर्द निवासी 10 वर्षीय त्रिशांत यादव के लिए साक्षात वरदान साबित हुई है। चिरायु टीम की सतर्कता ने न सिर्फ एक मासूम को जन्मजात गंभीर बीमारी के चंगुल से छुड़ाया, बल्कि एक गरीब परिवार को जीवनभर का दर्द झेलने से भी बचा लिया।

स्कूल में जांच के दौरान खुली बीमारी की परत

धमतरी जिले के कुरूद विकासखंड के सिंधौरीखुर्द का रहने वाला छात्र त्रिशांत रोज की तरह स्कूल जाता था। माता-पिता को अंदाजा भी नहीं था कि उनके लाडले के भीतर जन्मजात हृदय रोग (Congenital Heart Disease - CHD) पनप रहा है। तभी स्कूलों में चल रहे नियमित स्वास्थ्य परीक्षण अभियान के तहत चिरायु टीम कुरूद त्रिशांत के स्कूल पहुंची। परीक्षण के दौरान डॉक्टरों ने त्रिशांत के दिल की धड़कनों में असमानता महसूस की। टीम ने मामले की गंभीरता को भांपते हुए बिना देर किए परिजनों से संपर्क किया और उन्हें उच्च स्तरीय जांच की सलाह दी।

जिला अस्पताल से रायपुर तक त्वरित एक्शन

चिरायु टीम की संवेदनशीलता यहीं खत्म नहीं हुई। परिजनों की सहमति लेकर बच्चे को जिला अस्पताल धमतरी भेजा गया, जहाँ विशेषज्ञ डॉक्टरों ने पुष्टि की कि त्रिशांत के दिल में जन्मजात समस्या है और जल्द से जल्द ऑपरेशन जरूरी है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में चिरायु टीम ने कागजी प्रक्रियाओं और रेफरल को इतनी तेजी से पूरा किया कि बच्चे को बिना किसी रुकावट के रायपुर के प्रतिष्ठित एमएमआई हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। बीते 8 जुलाई 2026 को विशेषज्ञ सर्जन्स की टीम ने त्रिशांत के दिल का सफल ऑपरेशन किया। आज वह पूरी तरह स्वस्थ है और डॉक्टरों की निगरानी में तेजी से सामान्य जीवन की ओर लौट रहा है। इस पूरी सफलता की कहानी को चिरायु टीम ने इन पांच चरणों में अमलीजामा पहनाया। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत 'चिरायु टीम' की कार्यप्रणाली केवल एक चिकित्सीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि संवेदनशीलता और कर्तव्यनिष्ठा का एक जीवंत सफरनामा है। इसकी शुरुआत समय पर पहचान से होती है, जहाँ टीम के डॉक्टर स्कूलों में आयोजित स्वास्थ्य शिविरों के दौरान बच्चों के भीतर छिपे शुरुआती लक्षणों को पूरी सतर्कता से पकड़ते हैं। बीमारी की आशंका होते ही टीम त्वरित परामर्श का मोर्चा संभालती है और परिजनों को बिना डराए, बेहद आत्मीयता के साथ बीमारी की गंभीरता समझाकर उन्हें आगे के इलाज के लिए मानसिक रूप से तैयार करती है।

संजय दत्त रोक सकते थे 1993 मुंबई बम ब्लास्ट : उज्ज्वल निकम

बॉलीवुड के टैलेंटेड एक्टर्स में शुमार राजकुमार राव इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'प्रहार' को लेकर सुर्खियों में हैं, जिसमें वह देश के मशहूर सरकारी वकील और मौजूदा सांसद उज्ज्वल निकम का किरदार निभा रहे हैं. इसी बीच, वरिष्ठ वकील उज्ज्वल निकम ने 1993 के मुंबई बम धमाकों और उसमें फिल्म एक्टर संजय दत्त पर बड़ा बयान दिया है. इंटरव्यू में जब उनसे 1993 के मुंबई बम धमाकों और उसमें फिल्म एक्टर संजय दत्त की भूमिका को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने एक बेहद चौंकाने वाला और बड़ा दावा किया. निकम के मुताबिक, अगर संजय दत्त ने सही समय पर समझदारी दिखाई होती, तो मुंबई में हुए उन भयानक धमाकों को होने से रोका जा सकता था और सैकड़ों लोगों की जान बच सकती थी.

उज्ज्वल निकम ने क्या कहा?

इंटरव्यू के दौरान जब एंकर ने उज्ज्वल निकम से पूछा कि क्या संजय दत्त 1993 बम धमाकों को रोक सकते थे? इस पर जवाब देते हुए निकम ने बताया कि धमाकों से पहले अबू सालेम एक टेम्पो ट्रक में भरकर भारी मात्रा में खतरनाक हथियार लेकर आया था. इन हथियारों में कई हैंड ग्रेनेड और एके-47 (AK-47) राइफल्स शामिल थी. संजय दत्त ने इनमें से कुछ हथियार अपने पास रख लिए थे, हालांकि बाद में उन्होंने हैंड ग्रेनेड्स वापस भी कर दिए थे. उज्ज्वल निकम ने आगे कहा कि उनका मानना हमेशा से यही रहा है कि अगर संजय दत्त को जैसे ही उन हथियारों के बारे में पता चला था, वह उसी वक्त बिना डरे पुलिस को इसकी जानकारी दे देते, तो कहानी कुछ और होती. पुलिस तुरंत एक्शन लेती और धमाकों की साजिश को समय रहते नाकाम किया जा सकता था. निकम ने कहा कि ऐसा होने पर साजिश में शामिल सभी अपराधियों की समय रहते गिरफ्तारी हो जाती और पूरी साजिश का भंडाफोड़ बहुत पहले ही हो जाता. वीडियो में जब उनसे पूछा गया कि इससे तो कई लोगों की जान भी बच सकती थी? तो उज्ज्वल निकम ने इस बात का पूरा समर्थन किया. उन्होंने कहा कि उनका संजय दत्त को दोषी ठहराने का सबसे बड़ा कारण यही है कि उनके पास मौका था, लेकिन उन्होंने उस टाइम पुलिस को नहीं बताया. अगर वह समय पर पुलिस को इन्फॉर्म कर देते, तो मुंबई में जो तबाही मची और जितने लोगों की जानें गईं, उसे निश्चित तौर पर टाला जा सकता था.

लॉक अप से बाहर निकल सुनीता आहूजा ने निकाली भड़ास

नेटफ्लिक्स का चर्चित रियलिटी शो 'लॉक अप 2' इन दिनों लगातार चर्चा में बना हुआ है. हाल ही में शो में डबल एविक्शन हुआ, जिसमें सुनीता आहूजा और रियाज अली का सफर खत्म हो गया. शो से बाहर आने के बाद गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने पहली बार अपनी चुप्पी तोड़ी है. एक इंटरव्यू में उन्होंने अपनी जर्नी के साथ-साथ शो के अंदर के माहौल और कंटेस्टेंट्स को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए. वहीं, सुनीता आहूजा को लेने खुद बॉलीवुड सुपरस्टार गोविंदा पहुंचे. हाल ही में वो शो के एक एपिसोड में नजर आए. इस दौरान गोविंदा ने शो के होस्ट रितेश देशमुख और फराह खान के साथ हंसी-मजाक किया और अपने मजाकिया अंदाज से माहौल को खुशनुमा बना दिया. सुनीता आहूजा ने सबसे पहले गोविंदा को थैंक्यू कहा. उन्होंने कहा, 'थैंक्यू सो मच चीची (गोविंदा) कि आपने मेरा इतना ख्याल रखा और आप मुझे शो से लेने के लिए आए. मुझे बहुत अच्छा लगा.' जब रिपोर्टर ने उनके वायरल हुए 'गोली वाले बयान' का जिक्र किया, तो उन्होंने हंसते हुए मजेदार किस्सा शेयर किया. उन्होंने बताया, 'गोविंदा चार गोलियां लेकर आए और बोले कि बहुत दिन से मुझे सीने में गोली मारना था, इसलिए मैं गोली लेकर आया. तो मैने उनसे बस यही पूछा कि चीची तुम सिर्फ गोली क्यों लाए, बंदूक लाते तो मैं तुम्हें मारती.

अजय देवगन की 'धमाल 4' ने संडे को लूटा बॉक्स ऑफिस

इंद्र कुमार निर्देशित 'धमाल' फ्रैंचाइजी की चौथी इंस्टॉलमेंट साल की मच अवेटेड फिल्म थी और इसने सिनेमाघरों में 10 जुलाई को दस्तक दी थी. अजय देवगन, रितेश देशमुख, अरशद वारसी, जावेद जाफ़री और कई अन्य कलाकारों वाली इस कॉमेडी फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों से मिले-जुले रिव्यू मिले थे लेकिन ये बॉक्स ऑफिस पर धुआंधार परफॉर्म कर रही है. अच्छी ओपनिंग के बाद इस फिल्म ने वीकेंड पर गर्दा उड़ा दिया. चलिए यहां जानते हैं 'धमाल 4' ने रिलीज के तीसरे दिन यानी संडे को कितना कलेक्शन किया है?

'धमाल 4' को दर्शको से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. दरअसल इस कॉमेडी फिल्म को फैमिली ऑडियंस खूब पसंद कर रही है. इसी के साथ इस फिल्म ने रिलीज के पहले दिन 14 करोड़ के कलेक्शन के साथ दमदार शुरुआत की थी. वहीं दूसरे दिन यानी शनिवार को फिल्म की कमाई में जबरदस्त उछाल आया और इसने 22.50 करोड़ का कलेक्शन किया. वहीं पहले संडे को तो इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस ही लूट लिया. 'धमाल 4' ने रिलीज के चौथे दिन 28.50 करोड़ कमाए हैं. 'धमाल 4' ने रलीज के तीसरे दिन ही बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है. इस फिल्म ने है जवानी तो इश्क होना है (61.78 करोड़) से लेकर मैं वापस आऊंगा (61.14 करोड़) को मात दे दी है और ये साल की सातवीं सबसे बड़ी फिल्म बन गई है.

ये हैं साल की टॉप 10 फिल्में

धुरंधर 2- 1186.32 करोड़
बॉर्डर 2- 362.76 करोड़
भूत बांग्ला- 199.23 करोड़
वेलकम टू द जंगल- 131.5 करोड़
कॉकटेल 2- 103.89 करोड़
ओ'रोमियो- 83.35 करोड़
धमाल 4- 65 करोड़
है जवानी तो इश्क होना है- 61.78 करोड़
मैं वापस आऊंगा- 61.14 करोड़
पति पत्नी और वो दो- 59.29 करोड़

सीमा सजदेह से तलाक के 4 साल बाद सोहेल खान ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली। अभिनेता सोहेल खान और सीमा सजदेह से 4 साल पहले साल 2022 में तलाक हो गया था। दोनों ने साल 1998 में शादी रचाई थी। लेकिन मनमुटाव के चलते 24 साल का रिश्ता टूट गया। दोनों के दो बच्चे भी हैं, जो फिलहाल सोहेल के साथ रहते हैं। इस बीच सोहेल ने अपनी एक्स वाइफ सीमा सजदेह के साथ रिश्ते को लेकर बड़ी बात कही है।

रियलिटी शो अलायंस में बताई बात

दरअसल, प्राइम वीडियो के रियलिटी शो अलायंस में बातचीत के दौरान सोहेल खान ने बताया कि उनके दोनों बच्चे उनके साथ रहते हैं। इसलिए सीमा उनसे मिलने घर आती हैं। वह हफ्ते में तीन-चार बार आती हैं। घर की चाभी भी उन्हीं के पास रहती है। मैंने उनको खुद दे रखी है। सोहेल ने अलायंस शो में कहा कि हम लोग भले ही अब अलग हो चुके हैं, लेकिन सीमा उनके दो बच्चों की मां हैं और वह उनका बहुत सम्मान करते हैं। उन्होंने आगे कहा- सीमा मेरे दो खूबसूरत बच्चों की मां हैं। प्यार से ज्यादा मैं उनकी इज्जत करता हूं। यह शो हमारे लिए यादगार रहेगा क्योंकि इसने हमें फिर से एक-दूसरे से बात करने, एक-दूसरे का साथ देने और भरोसा करने का मौका दिया है।

सोहेल ने बताया कि वह बच्चों पर तनाव नहीं आने देते

सोहेल ने बताया कि उन्होंने और सीमा ने हमेशा कोशिश की है कि उनके अलग होने का असर बच्चों पर न पड़े। उन्होंने कहा- बच्चों को किसी तरह का तनाव नहीं होना चाहिए। हम अपनी बातें खुद संभाल सकते हैं। हम नहीं चाहते कि बच्चों को लगे कि उनके मम्मी-पापा लड़ते और झगड़ते रहते हैं। हमने उनसे हमेशा कहा है कि उन्हें मां और पिता दोनों का पूरा प्यार मिलेगा और उनसे जुड़े फैसले हम मिलकर लेंगे।

'शोले' के 'ठाकुर' के कारण ताउम्र कुंवारी रहीं सुलक्षणा पंडित!

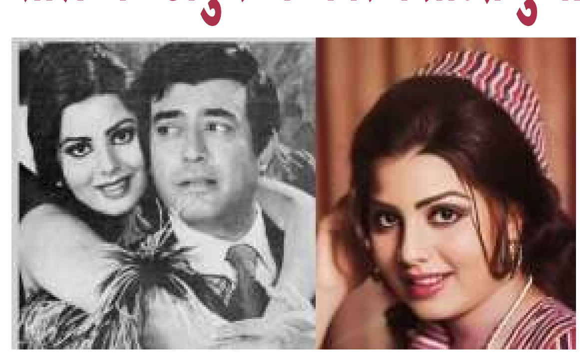

गुजरे दौर की जानी-मानी एक्ट्रेस रही सुलक्षणा पंडित ने अपनी अदाकारी के साथ-साथ अपनी खूबसूरती से भी दर्शकों का दिल जीता था. उन पर लाखों फैंस फिदा थे, लेकिन सुलक्षणा का दिल आया था 'शोले' फिल्म के 'ठाकुर' यानी संजीव कुमार पर. दोनों का एक दूसरे से अफेयर भी था. लेकिन, इसके बावजूद ताउम्र सुलक्षणा कुंवारी रह गई. दूसरी ओर संजीव ने भी कभी शादी नहीं की. सुलक्षणा न सिर्फ दमदार अदाकारा बल्कि बेहतरीन गायिका भी थीं. उन्हें शुरू से ही घर में गायकी का माहौल मिला था. 12 जुलाई 1954 को रायगढ़ में जन्मीं सुलक्षणा ने 9 साल की उम्र में गाना शुरू कर दिया था. उन्होंने लता मंगेशकर के साथ फिल्म तकदीर (1967) में 'सात समुंदर पार' गाना गाया था।

सांस्कृतिक पृष्ठभूमि में बांसगीत का सामाजिक सन्दर्भ

डा. सोमनाथ यादव

छत्तीसगढ़ी बांसगीत और गाथाओं में इतिहास और संस्कृति के पृष्ठभूमि में सामाजिक सन्दर्भ उभरता है। यदुवंशियों की अलौकिक वीरता, शरीर सौष्ठव, पहनावा, खानपान, उत्सव और रीति रिवाज सभी में उसका सामाजिक सन्दर्भउभरकर आता है। इनके शौर्य प्रदर्शन के आधार पर विरोचित पहनावा झलकता है। रंग बिरंगी पगड़ी, उसके ऊपर लहराती कलगी, मोर पंख, कौड़ी, कांच से बनी साज सज्जा, लाठी, घुटनों तक कसी और बंधी धोती पर उसका नर्तन, शखों का प्रदर्शन, प्राचीन और - पारम्परिक युद्ध कला को जीवंत कर जाता है।

इसी तरह प्राचीन मड़ई का सम्बन्ध वेद की इंद्र ध्वज परंपरा से जोड़ा जाता है। इसमें मोर पंख आर्य संस्कृति, कौड़ी द्रविड़ और मुर्गा आदिवासी या निषाद संस्कृति का प्रतीक है। छत्तीसगढ़ की प्राचीन संस्कृति में तीनों तत्व समाहित हैं। बांसगीत और लोक कथाओं में लोक कीर्तन परंपरा की झलक मिलती है। बांस से लोक वाह्य बना कर उसे बजाना, बंशी वादन के भी पहले की परंपरा प्रतीत होती है। इसलिए इसमें आध्यात्म, इतिहास और संस्कृति के बहाने जातीय गौरवगाथा का प्रदर्शन होता है। बांसगीत की यह विशिष्टता है कि इसमें जहां सार्वदेशिक और प्रख्यात चरित्रों का महिमामंडित गान समाहित हैं, वहीं क्षेत्रीय और ग्रामीण विभूतियों के कार्यों का चित्रण है।

इतिहास के पन्नों में कांकेर रियासत

निर्मलकांत श्रीवास्तव

कांकेर का प्राचीन नाम शिलालेख व ताम्र पत्रों में कांकेर या काकरय लिखा हुआ है। यदि यह नाम संस्कृत के काक्स का अपभ्रश हो तो इसका अर्थ होता है कौए का शोर वाला स्थान। इससे स्पष्ट होता है कि पहले समय में यहां कौओं का बड़ा शोरगुल होता रहा हो। इसके उत्तरी भाग में दुर्ग, पूर्व में रायपुर जिला, दक्षिण बस्तर और पश्चिम में चांदा जिला। कांकेर राजवंश सोमवंशी क्षत्रिय था। किवंदती है कि राज्य के प्रथम अधिश्वर वीर कांहरदेव जगन्नाथपुरी के राजा थे। पर कुष्ठ रोग से ग्रसित होने के कारण उन्हें अपना राज्य त्याग करना पड़ा। स्वास्थ्य लाभ की तलाश में प्रवास करते हुए वे सिहावा आ पहुंचे, जहां श्रृंगी ऋषि का आश्रम प्राचीन समय से रहा है। और वे सिहावा की जनता के अनुरोध पर यहां राज्य करने लगे, जो 18 पौढ़ी तक इस वंश में चलता रहा। पर सिहावा में प्राप्त एक शिलालेख से जो शक संवत 1114 में उत्कीर्ण किया गया था। इससे यह प्रमाणित होता है कि वहां इस वंश का राज्य कुछ समय तक अवश्य रहा होगा। कहते हैं कि इस घराने के तीसरे राजा ने कांकेर परगना को अपने राज्य में सम्मिलित कर सिहावा से कांकेर राजधानी उठा लाया, जो प्राचीन काल में कंकन कहलाता था।

छत्तीसगढ़ की जेल में जन्मी थी ' पुष्प की अभिलाषा'

स्वराज करुण

प्रसिद्ध कर्मवीर कवि पण्डित माखनलाल चतुर्वेदी की लोकप्रिय कविता 'पुष्प की अभिलाषा' का जन्म छत्तीसगढ़ के बिलासपुर स्थित केन्द्रीय जेल में हुआ था। आज़ादी के आंदोलन के दौरान बिलासपुर के शनिचरी मैदान में एक विशाल आम सभा हुई थी. जहां चतुर्वेदी जी ने भारत में अंग्रेजी साम्राज्य की बत्ती जल्द गुल होने और स्वतंत्रता का सूर्योदय जल्द होने का ऐलान किया था। इस पर तत्कालीन ब्रिटिश हुकूमत ने उन पर राजद्रोह का आरोप लगाकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

चतुर्वेदी जी 5 जुलाई 1921 से एक मार्च 1922 तक लगभग 8 महीने बिलासपुर के सेन्ट्रल जेल में कारावास में रहे। वहीं उन्होंने 'पुष्प की अभिलाषा शीर्षक अपनी प्रसिद्ध कविता की रचना की, जिसमें एक पुष्प के माध्यम से देशवासियों की स्वतंत्रता की चाहत और मातृभूमि की आजादी के लिए अपना शीश चढ़ाने की तीव्र उत्कंठा प्रकट की गयी है। यानी यह कविता लगभग सौ साल से भी कुछ पहले कवि माखनलाल चतुर्वेदी के कारावास काल में उनके हृदय से निकली थी।

चतुर्वेदी जी का जन्म 4 अप्रैल 1889 को वर्तमान मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले के ग्राम बाबई में हुआ था। उनका निधन 30 जनवरी 1968 को हुआ । चतुर्वेदी जी कवि होने के साथ-साथ लेखक और पत्रकार भी थे। उन्होंने वर्ष 1906 में अध्यापक के रूप में अपने सार्वजनिक जीवन की शुरुआत की, लेकिन लोकमान्य बालगंगाधर तिलक और महात्मा गांधी के विचारों से प्रभावित होकर स्वतंत्रता आंदोलन में कूद पड़े। इस दौरान उन्होंने 'प्रभा' 'प्रताप' और 'कर्मवीर 'नामक पत्रिकाओं का भी सम्पादन किया। पण्डित माखनलाल चतुर्वेदी ने सैकड़ों कविताएँ लिखीं। देशप्रेम से परिपूर्ण उनकी अधिकांश रचनाओं का मूल स्वर प्रगतिवादी है। आजादी के बाद चतुर्वेदी जी को भारत सरकार ने वर्ष 1955 में साहित्य अकादमी पुरस्कार और वर्ष 1963 में पद्मभूषण अलंकरण से सम्मानित किया था। उनके सम्मान में भारत सरकार ने डाक टिकट भी जारी किया।

साहित्य अकादमी पुरस्कार उन्हें अपनी काव्य कृति 'हिमतरंगिनी' पर प्रदान किया गया था। मध्यप्रदेश सरकार ने 16-17 जनवरी 1965 को उनके सम्मान में खंडवा में नागरिक अभिनन्दन समारोह का भी आयोजन किया था। सागर विश्वविद्यालय ने उन्हें डी. लिट् की मानद उपाधि से नवाजा। उनकी लगभग 100 वर्ष पहले की इस बेहद लोकप्रिय कविता की अमिट पंक्तियों को आइए, एक बार फिर मन ही मन गुनगुनाएं

चाह नहीं मैं सुरवाला के गहनों में गूंथा जाऊं।
चाह नहीं, प्रेमी-माला में बिंध प्यारी को ललचाऊं ।।
चाह नहीं, सम्राटों के शव पर हे हरि, डाला जाऊं ।
चाह नहीं, देवों के सिर परचहूँ भाग्य पर इठलाऊं।।
मुझे तोड़ लेना वनमाली उस पथ पर देना तुम फेंक।
मातृभूमि पर शीश चढ़ाने जिस पथ जावें वीर अनेक ।।

बस्तर अंचल में गाए जाते हैं चइत परब गीत

डा. पी. सी. लाल यादव

छत्तीसगढ़ में जनजातियों की बहुलता है। यह जनजातियां आज भी अपनी आदिम प्रवित्तियों और परंपराओं के साथ घने जंगलों में निवास करती हैं। इनके रीति रिवाज, उत्सव, पर्व, रहन सहन, गीत संगीत लोगों के लिए कौतूहल और आकर्षण के विषय हैं। यह भोलेभाले, सहज सरल और आत्मीय होते हैं। धरती की तरह सहनशील, पर्वत की धैर्यवान और गंगा जल की तरह पवित्र और चरित्र वान। छत्तीसगढ़ का बस्तर अंचल तो आदिम संस्कृतियों का भंडार है। यहां मुरिया, माड़या, भतरा, हल्बा आदि जनजातियां निवास करती हैं, इनमें गीत संगीत और नृत्य की विशिष्ट परंपराएं हैं। इसमें चैत्र माह में चइत परब गीत गाने की परंपरा है -

ए लेकी चो खेलुक जातोर, केबइ नी फिटे...
फिटू आय कसन जाले, ए चंपा फूलों, ए मोंगरा फूलों...
सरली रे जुआन लेकी बाय जन जालो...
ए लेका चो बुलुक जाटोर, केवइ नी फिटे... फिटू आय कसन जाले, ए डूमर फूलो ए सेमर फूलो...

बड़े डोंगर के प्राचीन धरोहरों में नकटी देवरली

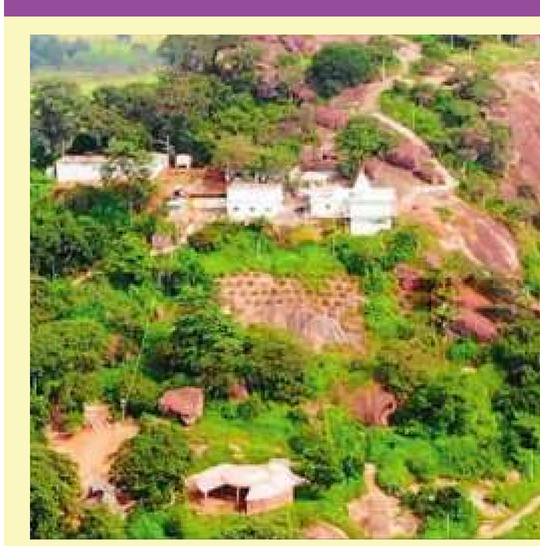

घनश्याम नाग

हल्बी भाषा में मंदिर को देवरली कहा जाता है और जिसकी नाक कटी हो उसे नकटी। भैंसा दोंद डोंगरी के दक्षिण में तालगुंडरा के नीचे एक प्राचीन मंदिर के भगनावशेष बिखरे पड़े हैं। प्रस्तर खंडो के इस मंदिर के सम्बन्ध में जनश्रुति है कि माई दंतेश्वरी मंदिर का निर्माण शुरू हुआ तभी से नकटी देवरली मंदिर का निर्माण भी शुरू हुआ। माई जी का मंदिर बन कर तैयार हो गया, लेकिन अब देख कर लोग शिव मंदिर का अनुमान लगाते हैं जो अधूरा रह गया। मंदिर बनाने में पिछड़ जाने के कारण निर्माणकर्ताओं ने शर्म महसूस किया और इसे अधूरा ही छोड़ दिया। तब से इस बिखरे मंदिर को नकटी देवरली कहते हैं, उपहास और उपेक्षा से यह कलात्मक मंदिर उजाड़ हो गया। तरासे गए प्रस्तर खंड आसपास बिखरे पड़े हैं, गर्भ गृह का कुछ हिस्सा बचा हुआ है। लेकिन किसी देवी देवता का विग्रह स्थापित नहीं है इसलिए यहां कभी पूजा या जातरा भी आयोजित नहीं की जाती। अब इस प्राचीन धरोहर पर बड़ी बड़ी झाड़यां ऊग आई हैं, जिससे इसके प्राचीन भव्यता का अंदाजा लगाना आसान नहीं है।

51,000 करोड़ की रेल परियोजनाओं से देश का नया 'लॉजिस्टिक्स हब' बनता छत्तीसगढ़

विशेष संवाददाता/शेख आबिद

रायपुर। छत्तीसगढ़ में रेलवे विकास अब केवल नई रेल लाइनों के निर्माण तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि यह प्रदेश की औद्योगिक प्रगति, ऊर्जा सुरक्षा, निवेश, रोजगार, व्यापार और क्षेत्रीय संतुलित विकास का सबसे सशक्त आधार बनकर उभरा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से पिछले ढाई वर्षों में रेलवे अधोसंरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिला है। रिकॉर्ड बजटीय निवेश, नई रेल लाइनों का निर्माण, मल्टी-ट्रैकिंग, दोहरीकरण, आधुनिक स्टेशन, शत-प्रतिशत विद्युतीकरण तथा दूरस्थ आदिवासी अंचलों तक रेल संपर्क के विस्तार ने छत्तीसगढ़ को देश के रेलवे मानचित्र पर अग्रणी राज्यों की श्रेणी में स्थापित कर दिया है। वर्तमान में प्रदेश में ₹51 हजार करोड़ से अधिक लागत की रेल परियोजनाओं पर कार्य प्रगति पर है, जो राज्य के इतिहास का सबसे बड़ा रेलवे निवेश है और विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत आधारशिला बन रहा है।

छत्तीसगढ़ में प्रमुख रेल परियोजनाएं

- **बस्तर अंचल (रावघाट रेल परियोजना):** दल्लीराजहरा से अंतागढ़ (77 किमी) तक यात्री सेवा शुरू हो चुकी है। अगले चरण में तुमापाल (ताहोकी) से कोसरोण्डा और रावघाट तक काम अंतिम चरण में है। इसके पूरा होने पर रावघाट की लौह अयस्क खदानें भिलाई इस्पात संयंत्र से जुड़ जाएंगी। कोत्तावलसा-किरंदुल लाइन के दोहरीकरण से परिवहन क्षमता बढ़ी है।
- **खरसिया-नवा रायपुर-परमालकसा रेल कॉरिडोर:** ₹8,741 करोड़ की लागत वाला यह 278 किलोमीटर लंबा कॉरिडोर कोलकाता-मुंबई मार्ग का एक मजबूत विकल्प बनेगा। इससे राज्य की लॉजिस्टिक्स लागत में प्रतिवर्ष लगभग ₹2,520 करोड़ की कमी आने का अनुमान है।
- **नए रेल नेटवर्क से जुड़ते जिले:** डोंगरगढ़-कवर्धा-कटघोरा, कोरबा-अंबिकापुर, गेवरा-पेंड्रा और बिलासपुर-झारसुगुड़ा (चौथी लाइन) जैसी योजनाएं कनेक्टिविटी बढ़ा रही हैं। विशेष रूप से धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा परियोजना से जशपुर जिला पहली बार रेल नेटवर्क से जुड़ेगा।

रेलवे क्षेत्र में हुआ रिकॉर्ड निवेश इस परिवर्तन का सबसे बड़ा प्रमाण है। वर्ष 2014 से पहले छत्तीसगढ़ को रेल परियोजनाओं के लिए औसतन लगभग ₹300 करोड़ का वार्षिक बजट प्राप्त होता था, जबकि वर्ष 2026-27 में यह बढ़कर ₹7,470 करोड़ तक पहुंच गया है। अर्थात एक दशक में रेलवे बजट में लगभग 24 गुना की ऐतिहासिक वृद्धि हुई है। यह केवल बजट में बढ़ोतरी नहीं, बल्कि छत्तीसगढ़ के प्रति केंद्र सरकार की विकास प्राथमिकताओं और राज्य की बढ़ती आर्थिक क्षमता का परिचायक है।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने छत्तीसगढ़ में रेलवे विकास को अभूतपूर्व गति दी है। उन्होंने कहा कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की पहल पर जिस तेजी से नई रेल परियोजनाओं को स्वीकृति मिली है और उन पर कार्य प्रारंभ हुआ है, उसने प्रदेश के विकास की दिशा ही बदल दी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ खनिज संपदा से समृद्ध राज्य और मध्य भारत का महत्वपूर्ण औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स केंद्र है। ऐसे में मजबूत रेल नेटवर्क प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति देगा। रेलवे विकास से उद्योगों की परिवहन लागत कम होगी, निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा, ऊर्जा क्षेत्र को मजबूती मिलेगी, किसानों को बेहतर बाजार उपलब्ध होंगे तथा युवाओं के लिए रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर सृजित होंगे। दूरस्थ वनांचलों तक रेल पहुंचने से विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचेगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार का उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र को आधुनिक रेल नेटवर्क से जोड़ना है। बस्तर, सरगुजा, जशपुर और अन्य दूरस्थ अंचलों में रेलवे पहुंचने से विकास का दायरा और व्यापक होगा। उन्होंने कहा कि रेलवे अब केवल यात्रियों और माल परिवहन का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन का सबसे प्रभावी साधन बन चुकी है। विकसित भारत-2047 के संकल्प के अनुरूप हम छत्तीसगढ़ को देश का अग्रणी रेल एवं लॉजिस्टिक्स हब बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री के इस विज़न को साकार करने की दिशा में प्रदेश में अनेक महत्वाकांक्षी रेल परियोजनाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं। रेल नेटवर्क के विस्तार में भी छत्तीसगढ़ ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। वर्ष 1853 से 2014 तक लगभग 161 वर्षों में जहां राज्य में करीब 1,100 रूट किलोमीटर रेल नेटवर्क विकसित हुआ था, वहीं अब छत्तीसगढ़ का रेल नेटवर्क 2,200 रूट किलोमीटर से अधिक करने की दिशा में कार्य प्रगति पर है। लगभग 1,200 किलोमीटर नए रेल ट्रैक, शत-प्रतिशत रेल विद्युतीकरण, अत्याधुनिक सिग्नलिंग व्यवस्था तथा मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं ने रेलवे परिचालन को अधिक सुरक्षित, तेज and ऊर्जा दक्ष बनाया है।

बस्तर अंचल में रावघाट रेल परियोजना विकास की नई धुरी बनकर उभरी है। दल्लीराजहरा से अंतागढ़ तक 77 किलोमीटर रेलखंड पर यात्री रेल सेवा प्रारंभ होने से हजारों ग्रामीण पहली बार रेल नेटवर्क से जुड़े हैं। परियोजना के अगले चरण में तुमापाल (ताहोकी) से कोसरोण्डा तक पुल-पुलियों का निर्माण लगभग पूर्ण हो चुका है तथा रेल लाइन बिछाने का कार्य तेजी से चल रहा है। कोसरोण्डा से रावघाट तक रेलवे अधोसंरचना का निर्माण भी अंतिम चरण में है। परियोजना पूर्ण होने पर रावघाट की लौह अयस्क खदानें सीधे भिलाई इस्पात संयंत्र से जुड़ जाएंगी, जिससे उद्योगों और स्थानीय अर्थव्यवस्था दोनों को नई मजबूती मिलेगी। वहीं कोत्तावलसा-किरंदुल रेल लाइन के दोहरीकरण से बस्तर क्षेत्र में माल एवं यात्री परिवहन की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

प्रदेश की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में शामिल खरसिया-नवा रायपुर-परमालकसा रेल कॉरिडोर को ₹8,741 करोड़ की स्वीकृति मिल चुकी है। 278 किलोमीटर लंबा यह कॉरिडोर कोलकाता-मुंबई रेल मार्ग का प्रभावी विकल्प बनेगा। इससे प्रदेश की लॉजिस्टिक्स लागत में प्रतिवर्ष लगभग ₹2,520 करोड़ की कमी आने का अनुमान है, अतिरिक्त माल परिवहन क्षमता विकसित होगी तथा उद्योगों को प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त मिलेगी। डोंगरगढ़-कवर्धा-कटघोरा रेल लाइन, कोरबा-अंबिकापुर, गढ़चिरौली-बीजापुर-बचेली, रावघाट-जगदलपुर, अंबिकापुर-बरवाडीह, धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा, गेवरा-पेंड्रा, खरसिया-धरमजयगढ़ तथा बिलासपुर-झारसुगुड़ा चौथी रेल लाइन जैसी परियोजनाएं प्रदेश की रेल कनेक्टिविटी को नई दिशा दे रही हैं। विशेष रूप से धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा रेल परियोजना जशपुर जिले को पहली बार रेल नेटवर्क से जोड़ेगी। यात्री सुविधाओं के क्षेत्र में भी छत्तीसगढ़ तेजी से आगे बढ़ रहा है। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत प्रदेश के 32 रेलवे स्टेशनों का लगभग ₹1,680 करोड़ की लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है। आधुनिक स्टेशन, वंदे भारत एक्सप्रेस, अमृत भारत एक्सप्रेस, मेमू सेवाओं का विस्तार तथा रायपुर में विकसित की जा रही आधुनिक रेल परिचालन सुविधाएं प्रदेश की रेलवे व्यवस्था को नई पहचान दे रही हैं।

यात्री सुविधाएं और ऊर्जा सुरक्षा

आधुनिक यात्रा और देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर को अपग्रेड किया जा रहा है:

- **अमृत भारत स्टेशन योजना:** प्रदेश के 32 रेलवे स्टेशनों का ₹1,680 करोड़ की लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है। साथ ही वंदे भारत, अमृत भारत और मेमू सेवाओं का लगातार विस्तार हो रहा है।
- **चांपा-कोरबा तीसरी रेल लाइन:** ₹755 करोड़ की इस परियोजना से SECL और MCL की खदानों से कोयला परिवहन आसान होगा, जिससे देश के पावर प्लांट्स को निर्बाध बिजली उत्पादन के लिए ईंधन मिल सकेगा।
- **रायपुर लोकोमोटिव हब:** रायपुर में 250 इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के रखरखाव के लिए ₹175 करोड़ की अतिरिक्त होमिंग सुविधाओं को मंजूरी दी गई है, जिससे ट्रेनों के परिचालन की दक्षता और गति बढ़ेगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक श्री सुकांत राजपूत द्वारा ए.आर. प्रिंटर्स, निरंकारी फर्नीचर के पीछे, पंडरी रायपुर से मुद्रित एवं शहरसत्ता, एस-15 प्रियदर्शिनी नगर, सेक्टर 1, मातृ-पितृ छाया अपार्टमेंट, रायपुर (छ.ग.),
मोबाईल नं. 98271-81979, फोन नं. 0771-3158142, संपादक - सुकांत राजपूत (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार के लिए जिम्मेदार), महाप्रबंधक - प्रदीप चंद्रवंशी (मो. 70006-81023)। डाक पंजीयन - CG/RYP/DN/70/2025-27